श्रीः

श्रीमते रामानुजाय नमः

श्रीमते निगमान्तमहादेशिकाय नमः

श्रीमद्गोपालार्य महादेशिकैः अनुगृहीता

॥ श्री देशिक दिव्य सहस्रनामावळिः ॥

This document has been prepared by

Sunder Kidāmbi

with the blessings of

श्री रङ्गरामानुज महादेशिकन्

His Holiness śrīmad āṇḍavan śrīraṅgam

श्रीः

श्रीमते रामानुजाय नमः

श्रीमते निगमान्तमहादेशिकाय नमः

॥ श्री देशिक दिव्य सहस्रनामावळिः ॥

1	ओं वेङ्कटेश - कृपा - लब्धानन्तार्य - स्वप्न - चिन्तिताय नमः
2	ओं तोतारम्बा - गर्भ - सूर्य - सङ्ख्याब्दावास - भासुराय नमः
3	ओं मधुसूदन - रङ्गेश - साकूतेक्षित - जन्मकाय नमः
4	ओं नभस्य - श्रवण - श्रीश - तीर्थ - वासर - जन्मवते नमः
5	ओं दीपप्रकाश - निकट - सद्भाविर्भाव - भासुराय नमः
6	ओं श्रीश - घण्टावतारत्व - ज्ञापकानेक - युक्ति - मते नमः
7	ओं पुण्डरीकाक्षाख्य - यज्व - पौत्राय नमः
8	ओं अनन्तार्य - पुत्रकाय नमः
9	ओं आत्रेय - वादि - हंसाम्बुवाहार्य - भगिनी - सुताय नमः
10	ओं स्वस्व - कालानन्त - गुरु - कृत - जात - क्रियादिकाय नमः
11	ओं अनन्तार्य - कृत - श्रीमद्वेङ्कटेशा - भिधानकाय नमः
12	ओं वरदाचार्य - रामानुजार्योभय - कृपेक्षिताय नमः
13	ओं विश्वामित्रान् - वयाब्धीन्दवे नमः
14	ओं जगत्पुण्य - महा - फलाय नमः
15	ओं अनन्तार्याचार्य - रत्न - कृतोपनय - संस्कृतये नमः

16	ओं वादिहंसाम्बु-वाहार्य-कृत-तापादि-संस्कृतये नमः
17	ओं अधीत-साङ्ग-सशिरस्का-कृत्रिम-सरस्वतये नमः
18	ओं वादिहंसाम्बु-वाहार्य-सम्प्राप्ताखिल-शास्त्रधिये नमः
19	ओं कणाद-तन्त्र-पारीणाय नमः
20	ओं आक्षपादीय-गौतमाय नमः
21	ओं मीमांसा-मांसलाय नमः
22	ओं व्याकरण-तन्त्र-पतञ्जलये नमः
23	ओं काव्यालङ्कार-तत्त्वज्ञाय नमः
24	ओं कवितार्किक-केसरिणे नमः
25	ओं यतिराज-पदाम्भोज-द्वन्द्व-माध्वी-मधुव्रताय नमः
26	ओं यामुनार्य-प्रेम-मूर्तये नमः
27	ओं नाथ-योगीश-नाथवते नमः
28	ओं पराङ्कुश-पदा-सक्ताय नमः
29	ओं परकालाङ्घ्रि-भक्ति-मते नमः
30	ओं श्रीपराशर-भट्टार्य-मेघ-सूक्त्यम्बु-चातकाय नमः
31	ओं श्रीवत्स-चिह्न-मिश्रेन्दु-सूक्तिज्योत्स्ना-चकोरकाय नमः
32	ओं एकान्त-वास-रसिकाय नमः
33	ओं द्वय-चिन्ता-परायणाय नमः

34	ओं त्रिराग - घ्राय नमः
35	ओं चतुष्पाण्डित्य - निर्विण्णैक - मानसाय नमः
36	ओं पञ्च - प्रकार - सन्तुष्टये नमः
37	ओं षडूर्मि - ध्वंस - कोविदाय नमः
38	ओं सप्त - व्यसन - तत्त्यागतत्स्वीकार - विशारदाय नमः
39	ओं अष्टाङ्ग - भक्तिधिये नमः
40	ओं अष्ट - पुष्पीष्टाष्टाङ्ग - योगकाय नमः
41	ओं नव - व्याकृति - विदे नमः
42	ओं श्रीभाष्याद्य - पद्य - दशार्थ - विदे नमः
43	ओं शताभ्यधिक - षड्विङ्ञाशत्त्रयी - मौळिनीति - विदे नमः
44	ओं सहस्राधिकृति - न्याय - विवेचन - धुरन्धराय नमः
45	ओं लक्ष - कोटि - स्वप्रभावांशानर्ह - भजन - स्थितये नमः
46	ओं काम - क्रोधादि - निखिल - दुरात्मगुण - वर्जिताय नमः
47	ओं भारताद्युक्त - सकल - सदात्मगुण - भूषिताय नमः
48	ओं शास्त्रोक्त - सकलाचार्य - लक्ष्मावासवर - स्थल्यै नमः
49	ओं श्रीवैष्णवानेक - लक्ष्मशोभित - स्वर्ण - विग्रहाय नमः
50	ओं अगस्त्यशाक - प्रमुख - सात्त्विकाहार - भासुराय नमः
51	ओं रामानुज - सिद्धान्त - स्थापनाचार्य - तल्लजाय नमः

52	ओं देवनायक - भद्राशी - रर्थाहीन्द्र - पुर - स्थितये नमः
53	ओं तार्क्ष्यमन्त्र - जपप्रीत - तार्क्ष्यदत्तवर - प्रियाय नमः
54	ओं तार्क्ष्यदत्त - हयग्रीवमनु - प्रीत - हयाननाय नमः
55	ओं वागर्थ - सिद्धिद - हयग्रीवस्तोत्र - विधायकाय नमः
56	ओं हयास्यदत्त - लालामृता - स्वादन - सुपोषिताय नमः
57	ओं तार्क्ष्याज्ञाकृत - तार्क्ष्यैक - पञ्चाशत्प्रीत - तार्क्ष्यकाय नमः
58	ओं देवनायक - पञ्चाशत्स्तुति - सम्पन्न - सत्यवाचे नमः
59	ओं प्राकृतोक्त्यच्युत - शता - प्राकृतानन्त - संस्तुतये नमः
60	ओं श्रीमत्त्रिमणि - सम्प्रोत - गाथासर - विधायकाय नमः
61	ओं कृतकन्दुक - गाथाय नमः
62	ओं कुबेराक्षि - गीति - कारकाय नमः
63	ओं घुटिका - गीति - कृते नमः
64	ओं डोला - गाथाकृति - विशारदाय नमः
65	ओं उपालम्भाह्वय - श्रीमद्गाथाकृति - विचक्षणाय नमः
66	ओं नवरत्न - स्रग् - विधात्रे नमः
67	ओं परदर्शन - भङ्गकृते नमः
68	ओं पुराणोक्तानेक - तत्त्व - सृष्टि - क्रम - निरूपकाय नमः
69	ओं परकालकृत - स्वर्ण - बिम्बस्तेया - विरोध - दृशे नमः

70	ओं स्वतन्त्राष्टोत्तर - शतविरोध - परिहार - विदे नमः
71	ओं रघुपुङ्गव - गद्यसृजे नमः
72	ओं कृतगोपाल - विंशतये नमः
73	ओं गोपपूर्गति - भद्राशासन - तुष्ट - त्रिविक्रमाय नमः
74	ओं देहळीशस्तुति - प्रीतादिभक्त - स्तुत - माधवाय नमः
75	ओं हस्तिशैलेश - पञ्चाशत्स्तुत - नागा - चलेश्वराय नमः
76	ओं श्रीचिह्नमालाह्व - कृति - प्रीतसज्जन - मानसाय नमः
77	ओं द्वादशाख्यान - गाथाकृते नमः
78	ओं न्यास - गाथा - विधायकाय नमः
79	ओं अर्थपञ्चक - सङ्ग्राहि - गाथाकृति - विचक्षणाय नमः
80	ओं वैष्णवा - वश्यक - दिनचर्याक्रम - विधायकाय नमः
81	ओं श्रीहस्तिगिरि - माहात्म्यकृते नमः
82	ओं कृताष्ट - भुजाष्टकाय नमः
83	ओं यथोक्तकारि - स्तुति - कृते नमः
84	ओं कृत - कामासिकाष्टकाय नमः
85	ओं प्रपत्ति - दीपिका - प्रीत - श्रीमद्दीप - प्रकाशकाय नमः
86	ओं प्रपन्नान्वह - सम्भाव्य - परमार्थस्तुति - प्रियाय नमः
87	ओं सुदर्शनाष्टकोद्धूत - श्रेयोबाधक - सञ्चयाय नमः

88	ओं सज्जनद्भ्र्या - शासनार्थ - षोडशायुध - संस्तुतये नमः
89	ओं श्रीमद्वेङ्कट - नाथीय - मङ्गळाशासन - प्रियाय नमः
90	ओं दयाशतक - वीणागीति - प्रीत - श्रीनिवासकाय नमः
91	ओं अयोध्याद्युत्तर - दिशा - दिव्यदेश - गतिप्रियाय नमः
92	ओं काञ्ची - मायियति - क्षुद्रनिरासि - स्तम्भ - लेखनाय नमः
93	ओं विद्यारण्य - चमत्कारदायि - वैराग्य - पञ्चकाय नमः
94	ओं कृतसेश्वर - मीमांसाय नमः
95	ओं मीमांसा - पादुका - कृतये नमः
96	ओं भट्टादि - सूत्र - दुर्व्याख्या - निराकरण - दक्षिणाय नमः
97	ओं परि - सङ्ख्याख्य - विध्यर्थ - निरूपण - धुरन्धराय नमः
98	ओं श्रीरङ्गनाथ - सेनेश - शासनोत्तंसन - प्रियाय नमः
99	ओं भट्टारका - द्युक्त - रीति - रङ्गिसेवा - क्रमोत्सुकाय नमः
100	ओं भगवद्ध्यान - सोपान - वर्धित - श्रीश - भक्तिकाय नमः
101	ओं शत - दूषण्यप - क्रान्त - मायि - दुर्वादि - गर्वकाय नमः
102	ओं निर्विशेष - ब्रह्म - शब्द - मुख्या - मुख्यार्थ - भङ्गकृते नमः
103	ओं निर्विशेष - ब्रह्म - जिज्ञास्यत्व - भञ्जन - दक्षिणाय नमः
104	ओं कर्म - ब्रह्म - विचारात्म - मीमांसैक्य - विधायकाय नमः
105	ओं विधानानर्ह - वाक्यार्थ - ज्ञान - हेतुत्व - भञ्जकाय नमः

106	ओं उपासना-हेतु-वेत्रे नमः
107	ओं बाधानुसृति-बाधकाय नमः
108	ओं यज्ञादि-ब्रह्म-विविदिषा-हेतुत्व-निरोधकाय नमः
109	ओं शाब्दा-परोक्षघ्ने नमः
110	ओं धूत-पूर्व-वृत्त-चतुष्टयाय नमः
111	ओं मायि-वादाधिकार-घ्नाय नमः
112	ओं निर्विशेषात्म-भावघ्ने नमः
113	ओं निर्विशेष-परालम्बि-निर्विकल्पक-भञ्जनाय नमः
114	ओं सन्मात्राध्यक्ष-रोद्ध्रे नमः
115	ओं भेद-दोषोद्धार-कोविदाय नमः
116	ओं परवेदा-प्रमाणत्व-दृशे नमः
117	ओं दृश्यत्वानु-मानघ्ने नमः
118	ओं व्यावर्तमान-भावानुमान-रोधन-तत्पराय नमः
119	ओं मायि-दृग्दृश्य-सम्बन्ध-निरासैक-विचक्षणाय नमः
120	ओं मायि-बाह्य-प्रकाशानु-पपत्ति-स्थापन-क्षमाय नमः
121	ओं ब्रह्मा-श्रयाज्ञान-हन्त्रे नमः
122	ओं ब्रह्मा-वेद्यत्व-भञ्जकाय नमः
123	ओं ज्ञानाजन्म-निराकृतये नमः

124	ओं धी-निर्विकारत्व-मानघ्ने नमः
125	ओं धी-नानात्व-विरोधि-घ्नाय नमः
126	ओं निर्विशेषानु-मानघ्ने नमः
127	ओं संविदात्मत्व-हन्त्रे नमः
128	ओं अहमर्थात्मत्व-निरूपकाय नमः
129	ओं ज्ञातृत्वा-ध्यास-हन्त्रे नमः
130	ओं साक्षि-भञ्जन-तत्पराय नमः
131	ओं शास्त्राध्यक्ष-विरोध-घ्नाय नमः
132	ओं अनृता-साध्य ऋतार्थ-विदे नमः
133	ओं जीवन्मुक्तत्वघ्ने नमः
134	ओं बाध-सामानाधि-करण्यघ्ने नमः
135	ओं संवित-द्वैतघ्ने नमः
136	ओं माय्युप-देशानु-पपत्ति-विदे नमः
137	ओं निर्विशेष-तिरोधान-हन्त्रे नमः
138	ओं आत्माद्वैत-भञ्जकाय नमः
139	ओं जीवेश्वरैक्य-वादघ्नाय नमः
140	ओं अखण्ड-वाक्यार्थ-बाधकाय नमः
141	ओं भाव-रूपाज्ञान-रोद्ध्रे नमः

142	ओं जीवाज्ञान-विनाशकाय नमः
143	ओं अविद्यानु-पपत्ति-ज्ञाय नमः
144	ओं माया-विद्या-विभागघ्ने नमः
145	ओं कुदृगुन्नीत-संसार-निवर्तक-निवर्तकाय नमः
146	ओं निवृत्त्यनु-पपत्ति-ज्ञाय नमः
147	ओं शब्दा-वेद्यत्व-भञ्जकाय नमः
148	ओं निष्प्रपञ्च-नियोगघ्नाय नमः
149	ओं विकल्पा-मानता-प्रियाय नमः
150	ओं उपबृह्मण-वैघट्य-युक्त-दुर्मत-वेदित्रे नमः
151	ओं ऐक्योप-देशान्यथो-पपत्त्य-सम्भव-बाधकाय नमः
152	ओं कुदृक्शास्त्रा-धिकारघ्नाय नमः
153	ओं मुक्तधी-वेद्य-तत्त्वविदे नमः
154	ओं सगुणागुण-वेदान्त-व्यवस्था-करण-क्षमाय नमः
155	ओं ब्रह्मोपादान-विदे नमः
156	ओं मायोपा-दानत्व-निरासकाय नमः
157	ओं कार्याद्यनु-पपन्नत्व-परिहार-विचक्षणाय नमः
158	ओं ब्रह्मानन्तत्व-मतये नमः
159	ओं निर्विशेषा-नन्द-भञ्जकाय नमः

160	ओं निर्विशेष-ब्रह्म-नित्यभाव-भञ्जन-दक्षिणाय नमः
161	ओं अद्वितीय-श्रुतिव्रात-विसंवाद-विचारकाय नमः
162	ओं सत्त्वासत्त्व-विवेक्त्रे नमः
163	ओं जीवैक्य-भङ्ग-विचक्षणाय नमः
164	ओं कुदृक्पक्षाप-शूद्राधिकरण-व्याहृति-प्रियाय नमः
165	ओं अधिकारि-विवेकज्ञाय नमः
166	ओं यतिलक्ष्म-विवेचकाय नमः
167	ओं अलेपक-मतच्छेत्त्रे नमः
168	ओं मायि-सूत्रार्थ-बाधकाय नमः
169	ओं दशावतार-स्तोत्राख्य-जगन्मङ्गळ-कारकाय नमः
170	ओं स्वप्न-भाष्यकृदाज्ञप्त-वेदचूडा-प्रवर्तनाय नमः
171	ओं यतीन्द्र-सप्तत्याख्योपचार-श्रुत्यन्त-दीपकृते नमः
172	ओं भक्ति-प्रकर्ष-विहित-श्रीभूगोदा-स्तुति-प्रियाय नमः
173	ओं रङ्गेशाज्ञाकृत-न्यासतिलक-स्तोत्र-रत्नकाय नमः
174	ओं श्रीरङ्गनाथ-दत्त-श्रीवेदान्ताचार्य-नामकाय नमः
175	ओं रङ्गेश्वरी-दत्त-सर्वतन्त्र-स्वातन्त्र्य-भूषिताय नमः
176	ओं अयत्न-कृत-वादित्रय-खण्डन-निबन्धनाय नमः
177	ओं तत्त्वटीका-व्याकृत-श्रीमद्भाष्यामृत-सागराय नमः

178	ओं वाजिशाखा-शिखाव्याख्या-कृति-सम्प्रीत-मानसाय नमः
179	ओं तात्पर्य-चन्द्रिकासुस्थ-गीताभाष्य-महापथाय नमः
180	ओं यामुनार्योक्त-गीतार्थ-सङ्ग्रहत्राण-कारकाय नमः
181	ओं पिष्टपश्वादि-गाथोक्ति-व्यवस्था-करण-क्षमाय नमः
182	ओं प्रध्वंस-प्रागभावादि-व्यवस्था-करण-क्षमाय नमः
183	ओं वैधहिंसा-हिंसता-स्थापन-नीति-सुनीतिकाय नमः
184	ओं मुमुक्षु-सूक्त-वागादि-फलोक्ति-तति-नीतिविदे नमः
185	ओं अवाप्त-सर्वकामत्व-गुण-निर्णय-कोविदाय नमः
186	ओं कैवल्याख्य-पुमर्थ-स्वरूपा-नित्यत्व-साधकाय नमः
187	ओं साङ्ग-कर्म-ज्ञान-भक्तियोगावधृति-कोविदाय नमः
188	ओं विभूति-विश्वरूपादि-विरोध-शमन-क्षमाय नमः
189	ओं आत्मानात्म-गुण-क्षेत्रतज्ज्ञ-शोधन-दक्षिणाय नमः
190	ओं पुरुषोत्तम-निरुक्ति-विदे नमः
191	ओं देवासुर-विभाग-निरुक्ति-विदे नमः
192	ओं कर्तृ-कर्मादि-सत्त्वादि-गुणाधीन-विभाग-विदे नमः
193	ओं एकायनोक्ता-सूयाविर्भाव-व्याकृति-दक्षिणाय नमः
194	ओं उच्छिष्टादन-हेत्वार्य-भेद-निर्णय-कोविदाय नमः
195	ओं स्त्रीशूद्र-भगवत्पूजा-तान्त्रिकत्वा-भिधायकाय नमः

196	ओं स्वपराधीनता - यत्त - शास्त्र - वैयर्थ्य - बाधकाय नमः
197	ओं तत्त्वमुक्ता - कलाप - सृजे नमः
198	ओं कृत - सर्वार्थ - सिद्धिकाय नमः
199	ओं कृताधिकरण - सारावल्याख्य - ग्रन्थ - शिखामणये नमः
200	ओं सारावली - व्याक्रियाधि - करणादर्श - कारकाय नमः
201	ओं श्रीमन्न्याय - परीशुद्धि - विशुद्धीकृत - मानसाय नमः
202	ओं न्याय - सिद्धाञ्जनो - दञ्चन्मेय - याथात्म्य - बोधकाय नमः
203	ओं आक्षपादीय - सूत्रार्थ - शिक्षा - करण - दीक्षिताय नमः
204	ओं अक्षपाद - चमत्कारदायि - सूत्र - समूह - कृते नमः
205	ओं व्यासाक्षपाद - सूत्रार्थ - विरोध - परिहार - विदे नमः
206	ओं द्रव्याद्रव्य - भिदा - तत्तल्लक्षणोक्ति - विचक्षणाय नमः
207	ओं त्रैकाल्यानेक - सिद्धान्त - निरासा - सम्भवान्तकाय नमः
208	ओं रूपादि - पञ्चकाधारा - भाववाद - निरासकाय नमः
209	ओं धर्म - धर्मित्वा - पलाप - वाद - ध्वान्त - दिवाकराय नमः
210	ओं पृथिव्यादि - चतुर्द्रव्य - मात्र - पक्ष - विभेदित्रे नमः
211	ओं त्रिगुणेन्द्रिय - वर्गानध्यक्ष - भाव - विधायकाय नमः
212	ओं प्रकृत्यागम - गम्यत्व - जगन्मूलत्व - बोधकाय नमः
213	ओं चतुर्विंशति - सङ्ख्याक - तत्त्व - सृष्टि - प्रकार - विदे नमः

214	ओं साङ्ख्यादि - हैतुकोन्नीत - सृष्टि - तद्धेतु - बाधकाय नमः
215	ओं अष्टीकरण - पञ्चीकृति - त्रिवृत्कृति - भेद - विदे नमः
216	ओं अन्यावय - विघ्ने नमः
217	ओं अन्यूनानुत्कृष्ट - परिमाण - विदे नमः
218	ओं शरीरोत्पत्त्यु - पादानैक - भूतोक्ति - निरासकाय नमः
219	ओं साङ्ख्य - सत्कार्य - वादघ्नाय नमः
220	ओं क्षणिकत्व - मतान्तकाय नमः
221	ओं क्षणोपाधि - विशेष - ज्ञाय नमः
222	ओं हेतु - साध्या - पलापघ्ने नमः
223	ओं प्रतिसङ्ख्या - प्रतिसङ्ख्या - निरोध - मत - भञ्जकाय नमः
224	ओं अक्ष - भूत - विकारत्व - साधक - प्राण - नाशनाय नमः
225	ओं भूतेन्द्रिया - प्यायकत्व - निर्धारण - विचक्षणाय नमः
226	ओं अन्तः करण - नानात्व - निरासकाय नमः
227	ओं बाह्याक्षैक्य - निरासकाय नमः
228	ओं मनो - व्यापित्व - नित्यत्वघ्ने नमः
229	ओं इन्द्रियाणुत्व - वेदित्रे नमः
230	ओं चक्षुरादि - प्राप्यकारि - भाव - साधन - दक्षिणाय नमः
231	ओं शब्द - देशगत - श्रोत्र - कार्यकृत्त्वा - भिधायकाय नमः

232	ओं स्वदेशागत - वृत्ति - ध्वनि - ग्राहि - श्रोत्र - बाधकाय नमः
233	ओं व्योमाध्यक्षत्व - निर्णेत्रे नमः
234	ओं खावकाशो - पकार - विदे नमः
235	ओं आकाशा - वरणाभाव - मात्र - भाव - विभञ्जकाय नमः
236	ओं आकाश - नित्यत्व - विभु - भाव - वाद - विनाशकाय नमः
237	ओं दिग्वस्तु - साधक - च्छेदिने नमः
238	ओं दिग्व्योमा - भेद - साधकाय नमः
239	ओं राजसाख्य - महत्तत्वा - भिन्न - प्राण - विभञ्जनाय नमः
240	ओं प्राणाक्षत्वा - वायुभाव - वाद - निह्नव - दक्षिणाय नमः
241	ओं वैश्वानर - स्वरूपादि - निरूपण - विचक्षणाय नमः
242	ओं तेजो - धर्म - प्रभा - तेजो - भाव - साधन - तत्पराय नमः
243	ओं प्रभा - दीपाद्य - वयव - भावाभाव - विधायकाय नमः
244	ओं प्रभा - विषय - भाष्योक्ति - विरोध - शमन - क्षमाय नमः
245	ओं स्थिरा - स्थिराख्य - तेजो - विभाग - ज्ञान - विचक्षणाय नमः
246	ओं तमालोक - विरहत्वा - भाव - पृथिवीत्व - विदे नमः
247	ओं पृथ्वी - पतन - पृथ्वी - भ्रमण - वाद - विनाशकाय नमः
248	ओं काल - स्वरूप - खेशान्य - भाव - ज्ञान - धुरन्धराय नमः
249	ओं काला - नुत्पत्त्यक्ष - गम्य - भाव - स्थापन - तत्पराय नमः

250	ओं काल - सर्व - व्यापकत्व - सर्व - साधकता - प्रियाय नमः
251	ओं आत्माङ्ग - मानसाक्ष - ज्ञानादि - भेद - प्रसाधकाय नमः
252	ओं आत्म - प्रत्यक्त्व - कर्तृत्व - स्वप्रकाशत्व - साधकाय नमः
253	ओं यत्न - वैफल्य - हर्त्रे नमः
254	ओं औपाधिक - जीवेश - भेदघ्ने नमः
255	ओं स्वाभाविकेश - जीवात्म - भेदाभेद - मतान्तकृते नमः
256	ओं एक - तन्वेक - जीवात्म - मात्र - पक्ष - विदारणाय नमः
257	ओं ब्रह्म - प्रतिच्छन्द - जीव - वाद - भञ्जन - दक्षिणाय नमः
258	ओं चतुर्विधात्मा - नित्यत्व - वाद - प्राण - विनाशनाय नमः
259	ओं जीवात्मा - नित्यत्व - विभु - वाद - भञ्जन - तत्पराय नमः
260	ओं जीवैक - काल - नैकाङ्गा - धिष्ठातृत्वा - भिधायकाय नमः
261	ओं जीव - व्यापित्वो - पपत्तिघ्ने नमः
262	ओं जीवाणुत्व - साधकाय नमः
263	ओं देहतुल्य - परीमाण - जीव - वाद - विनाशकाय नमः
264	ओं नित्य - संसारि - सदसद्भाव - स्थापन - तत्पराय नमः
265	ओं मोक्षोपाय - सुदुर्ज्ञान - भाव - वाद - विभञ्जनाय नमः
266	ओं अपवर्गार्थि - सद्धेतु - विद्या - नाना - विभाग - विदे नमः
267	ओं क्रिया - विद्योप - कारित्व - प्रकार - ज्ञान - कोविदाय नमः

268	ओं क्रिया - विद्या - कर्तृ - संस्कारत्व - वाद - विनाशकाय नमः
269	ओं सर्वाश्रमि - ब्रह्म - विद्याधिक्रिया - स्थापन - क्षमाय नमः
270	ओं कर्म - विद्या - श्रमाङ्गत्व - नित्यत्वादि - विभाग - विदे नमः
271	ओं प्रवृत्त्याख्य - निवृत्त्याख्य - कर्म - भेद - स्वरूप - विदे नमः
272	ओं त्रैवर्णिका - धिकरण - सर्वाधिकार - भेद - दृशे नमः
273	ओं तत्त्वमस्यादि - भुवन - बाधकत्व - विनाशकाय नमः
274	ओं जगन्निवर्तक - ज्ञान - निवर्तक - निवारकाय नमः
275	ओं जगन्निवर्तक - ज्ञान - वेद्याभाव - विधायकाय नमः
276	ओं जगन्निवर्तक - ज्ञाना - धाराभाव - विधायकाय नमः
277	ओं ब्रह्मविद्या - पापनाश - कारणत्वो - पपत्ति - विदे नमः
278	ओं विद्या - नाश्य - त्रिवर्गादि - सुकृतोक्ति - विचारकाय नमः
279	ओं अश्लेषोत्तर - काम्यार्थ - पुण्य - सम्भव - वेदित्रे नमः
280	ओं विरजोत्तर - तीरान्त - त्यक्त - दुर्वासनोक्ति - मते नमः
281	ओं मुक्त - बुद्धि - विकासोत्तर - सीमा - भाव - साधकाय नमः
282	ओं मुक्ताद्यैच्छिक - देहादि - योग - वर्णन - तत्पराय नमः
283	ओं मुक्तादीच्छा - विघाताभाव - स्थापन - विचक्षणाय नमः
284	ओं निर्दुःख - मुक्तानुभव - वेदिने नमः
285	ओं नित्याख्य - सूरि - विदे नमः

286	ओं देवतान्तर-तादात्म्य-मुक्ति-वाद-तमोनुदाय नमः
287	ओं मतान्तरस्थ-सायुज्य-शब्दार्थानु-पपत्ति-विदे नमः
288	ओं मुक्तात्म-पुनरावृत्ति-प्रसङ्ग-परिहारकाय नमः
289	ओं वैशेषिकादि-पाषाण-तुल्य-मोक्षोक्ति-वारकाय नमः
290	ओं साङ्ख्याभिमत-संसार-मोक्ष-पक्ष-निवारकाय नमः
291	ओं मतान्तरस्था-भिमत-मोक्ष-वैविध्य-वारकाय नमः
292	ओं ईश-वेदैक-गम्यत्व-वेदा-बाध्यत्व-साधकाय नमः
293	ओं उपदेशानु-मानेशानु-मान-दमन-क्षमाय नमः
294	ओं शास्त्र-योनित्व-साङ्ख्याधि-कृति-द्वय-विरोधघ्ने नमः
295	ओं निमित्ततो-पादानत्व-द्वयैकाधार-वेदित्रे नमः
296	ओं सूक्ष्म-जीवाचि-द्विशिष्टे-शोपादानत्व-साधकाय नमः
297	ओं मतान्तरस्थ-ब्रह्मोपादान-त्वोक्ति-निवारकाय नमः
298	ओं जीवाचि-दीश-विकृतिमद्-ब्रह्मोत्त्यप-नोदनाय नमः
299	ओं सर्वानु-वृत्त-सन्मात्र-ब्रह्मत्वोक्ति-विभञ्जकाय नमः
300	ओं जीवादि-परिणामेश-जैन-गन्धि-मतान्तकृते नमः
301	ओं ब्रह्मोपाधिक-जीवत्व-भास्करोत्त्यप-हासकाय नमः
302	ओं अविद्या-सहित-ब्रह्म-विवर्तोत्त्युप-रोधकाय नमः
303	ओं मतान्तरस्था-विद्याव-लोकनानु-पपत्ति-दृशे नमः

304	ओं ब्रह्मा - ज्ञानानुमा - श्रौत - बाधो - दाहरण - क्षमाय नमः
305	ओं मायादि - पद - सद्ब्रह्म - दोष - ज्ञापक - तापहाय नमः
306	ओं अविद्या - साधका - ज्ञान - कार्य - मिथ्यात्व - साधकाय नमः
307	ओं कार्योपादान - सादृश्य - नियमोक्ति - विभञ्जकाय नमः
308	ओं जगन्मिथ्यात्वानु - मान - बहु - व्याहति - बोधकाय नमः
309	ओं अनित्य - मिथ्याभाव - प्रक्लृप्ति - भङ्ग - विधायकाय नमः
310	ओं भेदाध्यक्षा - विरुद्धार्थ - निषेध - श्रुति - बोधकाय नमः
311	ओं परोक्ष - बाध्यता - योग्यायोग्य - प्रत्यक्ष - वेदित्रे नमः
312	ओं मायि - शास्त्राध्यक्ष - मूल - दोष - साम्योप - पादकाय नमः
313	ओं तुल्य - दोष - प्रमाणान्योन्य - सम्बाधक - तापहाय नमः
314	ओं शास्त्रैक - वेद्यान - ध्यक्ष - नानाभेदोप - पादकाय नमः
315	ओं मायि - बौद्धादि - साम्यापादन - निर्वहण - क्षमाय नमः
316	ओं मायि - पक्षानेक - बाधक - विकल्पा - भिधायकाय नमः
317	ओं परशास्त्रानु - पपत्ति - परिहार - विचक्षणाय नमः
318	ओं ईश - देहादि - पञ्चापाकृतिवाद - निरासकाय नमः
319	ओं देवादि - विग्रहाभाव - वाद - व्रात - निरासकाय नमः
320	ओं व्यूहादि - पञ्चरूपेश - पूर्ण - षाड्गुण्य - वेदित्रे नमः
321	ओं ईश - व्यूह - विशेषाभि - मानित्व - परिहारकाय नमः

322	ओं ईशात्माचार्य-शिष्यत्वाभि-नीति-फलसार-विदे नमः
323	ओं ईश-चित्रानेक-वृत्तान्त-विशेषादि-तत्त्व-विदे नमः
324	ओं ईश-सर्वज्ञ-भावानु-पपत्ति-विनिवारकाय नमः
325	ओं सर्वेश-सर्व-शक्तित्व-स्वेच्छावत्त्वा-भिधायकाय नमः
326	ओं धी-स्वभास्यत्व-नित्यत्व-द्रव्यत्व-स्थापन-क्षमाय नमः
327	ओं बुद्ध्यवेद्यत्व-नित्यानु-मेयत्व-मत-भञ्जकाय नमः
328	ओं प्रमा-विपर्यय-द्वापर-तर्कोह-स्वरूप-विदे नमः
329	ओं प्रमाण-लक्षण-ज्ञाय नमः
330	ओं सत्ख्यात्यर्थ-ख्याति-बाधकाय नमः
331	ओं अन्यथा-ख्याति-सन्त्याग-स्वीकार-द्वय-साधकाय नमः
332	ओं सन्देह-याथार्थ्य-वेत्रे नमः
333	ओं अनिर्वाच्य-ख्याति-भङ्ग-कृते नमः
334	ओं अनिर्वच-स्वरूपादि-रजतोत्पत्ति-भञ्जकाय नमः
335	ओं बुद्धोक्त-निरधिष्ठान-ख्याति-वाद-निरासकाय नमः
336	ओं अनौपाधिक-तुच्छ-ख्याति-वाद-प्राण-नाशकाय नमः
337	ओं योगाचार-प्रहर्त्रे नमः
338	ओं अख्यात्यनु-पपत्तिघ्ने नमः
339	ओं आत्माकार-ज्ञान-हर्त्रे नमः

340	ओं आत्म-ख्यात्य-पहारकाय नमः
341	ओं निरालम्बन-विज्ञानानुमा-भञ्जन-दक्षिणाय नमः
342	ओं बाह्या-नौपाधिका-सत्ख्याति-साधन-विभञ्जनाय नमः
343	ओं धी-गतार्थोद्-भवार्थाकार-वाद-परिहारकाय नमः
344	ओं हरिद्रा-चूर्ण-नीत्यर्थ-धी-योगोत्थाकृति-द्विषदे नमः
345	ओं सौगतोक्तान-धिष्ठान-ख्याति-वाद-निरोधकाय नमः
346	ओं अनालम्ब-ख्याति-हन्त्रे नमः
347	ओं स्मृति-ज्ञान-स्वरूप-विदे नमः
348	ओं प्रत्यक्ष-लक्षण-ज्ञात्रे नमः
349	ओं दिव्यार्षा-ध्यक्ष-साधकाय नमः
350	ओं वैशिष्ट्या-गोचर-ज्ञान-मत-च्छेदन-दीक्षिताय नमः
351	ओं संज्ञानु-विद्ध-सर्वार्थ-बुद्धि-शब्दाद्य-बाधघ्ने नमः
352	ओं योगि-प्रत्यक्षानु-मान-दूषणो-द्धावन-क्षमाय नमः
353	ओं मानसाध्यक्ष-भङ्ग्ज्ञाय नमः
354	ओं सन्निकर्ष-स्वरूप-विदे नमः
355	ओं अलौकिकाख्य-सम्बन्ध-प्रत्यक्ष-मत-बाधकाय नमः
356	ओं अनुमाना-ध्यक्ष-मान-बहिर्भाव-विधायकाय नमः
357	ओं अनुमा-मानता-लक्ष्म-ज्ञाय नमः

358	ओं अनुमा - बाधि - तर्कघ्ने नमः
359	ओं अनुमान - द्वापरोद्धार - प्रकार - विदग्रण्ये नमः
360	ओं उपाधि - लक्षणोपाधि - विधूनन - विशेष - विदे नमः
361	ओं व्याप्ति - स्वरूप - व्याप्ति - ग्राहकमान - विचारकाय नमः
362	ओं व्याप्तिग्रह - प्रकार - ज्ञात्रे नमः
363	ओं व्याप्त्यादि - विभाग - विदे नमः
364	ओं केवलान् - वय्यनुमान - विशेष - ज्ञान - साधकाय नमः
365	ओं महाविद्या - निरासोत्थ - विरोध - परिहारकाय नमः
366	ओं केवल - व्यतिरेक्या - ख्यानुमा - भञ्जन - दक्षिणाय नमः
367	ओं लक्षण - ज्ञाय नमः
368	ओं अन्य - वाद्युक्त - लक्षणार्थ - द्वयापहाय नमः
369	ओं स्वपरार्थानुमा - प्राज्ञाय नमः
370	ओं न्यायावयव - वेदित्रे नमः
371	ओं निग्रह - स्थान - हेत्वाभास - जाति - च्छल - वेदित्रे नमः
372	ओं वाद - जल्प - वितण्डा - ज्ञाय नमः
373	ओं मानाभास - विवेचकाय नमः
374	ओं अनुमाना - ध्यक्ष - बाह्य - शब्द - मान - प्रसाधकाय नमः
375	ओं आकाङ्क्षा - योग्यता - सत्ति - वाक्यार्थ - सहकारि - विदे नमः

376	ओं पद-वाक्य-स्वरूप-ज्ञाय नमः
377	ओं अन्विताभिवद-नोत्सुकाय नमः
378	ओं अभिहितान्वय-ज्ञात्रे नमः
379	ओं विशिष्ट-पद-शक्ति-विदे नमः
380	ओं विभक्त्या-ख्यात-धातूपसर्ग-तद्धित-वेद्य-विदे नमः
381	ओं समासान्वय-कृते नमः
382	ओं मुख्य-प्रत्ययार्थ-विशेष-विदे नमः
383	ओं शाब्द-बोधाकार-वेत्रे नमः
384	ओं लक्षणा-पद-वृत्ति-विदे नमः
385	ओं विशेष्य-मुख्यवृत्ता-पृथक्सिद्ध-पदशक्ति-विदे नमः
386	ओं भगवत्सर्व-शब्दाभिधेयत्व-स्थापन-क्षमाय नमः
387	ओं तत्त्वमस्यादि-वाक्यार्थ-निरूपण-विचक्षणाय नमः
388	ओं शाब्दोक्त-शब्द-सामानाधि-करण्यार्थ-वेदित्रे नमः
389	ओं प्रमोत्पत्ति-प्रमाज्ञप्ति-स्वतस्त्वोद्-भावन-क्षमाय नमः
390	ओं वेद-प्रवाह-नित्यत्व-वेदेशा-जनितत्त्व-विदे नमः
391	ओं विध्यर्थ-वाद-मन्त्रादि-तदर्थाव-धृति-क्षमाय नमः
392	ओं भाषा-मन्त्र-व्यवस्था-विदे नमः
393	ओं मन्त्रा-वान्तर-भेद-विदे नमः

394	ओं अद्रव्य - मान - विदे नमः
395	ओं सत्त्वासत्त्व - शब्दोक्ति - बाधकाय नमः
396	ओं जननादि - मृषात्वोक्ति - मत - च्छेदन - तत्पराय नमः
397	ओं द्रव्याद्रव्यानु - मेयाध्यक्ष - भेदाभेद - वारकाय नमः
398	ओं भेद - बाधक - निस्तारा - द्रव्येयत्ताव - धारकाय नमः
399	ओं रजस्तम - स्स्सत्त्वगुणो - पयोगा - द्रव्यतोक्ति - मते नमः
400	ओं सत्त्वाद्यवस्था - वैचित्र्या - नन्त्य - निर्णय - कोविदाय नमः
401	ओं शब्दादि - ग्राहकाधार - नियमोक्ति - विचक्षणाय नमः
402	ओं शब्दादि - गुण - युङ्नित्य - विभूति - व्याकृति - क्षमाय नमः
403	ओं सर्व - भूताश्रित - ध्वाना - द्रव्यत्व - स्थापन - क्षमाय नमः
404	ओं सौगतोक्त - ध्वान - वादघ्ने नमः
405	ओं जैन - शब्द - पुद्गल - वादघ्ने नमः
406	ओं वर्ण - वेदानित्य - नित्यत्व - प्रकाराव - धारकाय नमः
407	ओं अनुष्णाशीत - शीतोष्ण - स्पर्शाधार - विशेष - विदे नमः
408	ओं भूत - पञ्चक - वर्णोक्ति - निर्वोढ्रे नमः
409	ओं रूप - भेद - विदे नमः
410	ओं चित्र - रूप - मत - च्छिदे नमः
411	ओं स्नेह - गुणान्तर - बाधकाय नमः

412	ओं निराकृत-गुरुत्व-द्रवत्वाख्यान्य-गुण-द्वयाय नमः
413	ओं गुरुत्वागम-निर्वोढ्रे नमः
414	ओं गुरुत्वा-ध्यक्ष-लिङ्ग-नुते नमः
415	ओं एकत्व-द्वित्व-सङ्ख्यादि-गुणान्तर-निरासकाय नमः
416	ओं परिमाण-पृथक्त्वाख्य-गुणान्तर-निरासकाय नमः
417	ओं नित्यानित्याख्य-सम्योग-स्थापनैक-विचक्षणाय नमः
418	ओं परापर-विभक्तत्व-गुणत्रय-निरासकाय नमः
419	ओं विषयालम्बिता-भेद-धीवैषम्याव-धारकाय नमः
420	ओं मुक्त-बुद्धि-जगद्व्याप्ततो-पपत्ति-निरूपकाय नमः
421	ओं योगि-बुद्धि-विनष्टैष्यद्-गोचरत्वोप-पादकाय नमः
422	ओं अद्रव्य-नित्य-धी-पक्ष-विषयित्वादि-बाधकाय नमः
423	ओं धी-विकार-द्वेष-राग-सुख-दुःख-प्रयत्न-दृशे नमः
424	ओं त्यक्त-जीवन-योन्याख्य-यत्न-प्राकट्य-दर्शनाय नमः
425	ओं भगवत्प्रीति-कोपान्य-धर्माधर्म-मतान्तकाय नमः
426	ओं श्येनाग्नीषोम-वैषम्य-साधनैक-विचक्षणाय नमः
427	ओं मन्त्र-स्वार्थ-परत्वोक्ति-विरोध-परिहार-विदे नमः
428	ओं देवता-मुख-संसिद्ध-भगवत्प्रीति-साधकाय नमः
429	ओं संस्कार-कर्म-भगवत्प्रीत्यर्थत्व-प्रसाधकाय नमः

430	ओं अपूर्व-विधि-वाच्यत्व-प्राधान्य-बहु-दोष-विदे नमः
431	ओं वक्त्रभिप्राय-देव-प्रसाद-लिङ्गाच्यता-सुधिये नमः
432	ओं संस्काराख्य-गुण-च्छेत्रे नमः
433	ओं कर्माख्यार्थ-स्वरूप-विदे नमः
434	ओं संस्थानोत्तीर्ण-गोत्वादि-सामान्य-मत-भञ्जकाय नमः
435	ओं जाति-वादानेक-वादि-समीरित-निरासकाय नमः
436	ओं सादृश्यादि-पदार्थान्तर-क्लृप्ति-प्राण-नाशनाय नमः
437	ओं अनेक-शून्यावयवानु-वृत्ति-व्यवहार-विदे नमः
438	ओं विशेष-समवायाख्य-पदार्थान्तर-बाधकाय नमः
439	ओं अभाव-भावरूपत्व-स्वभावेयत्व-बोधकाय नमः
440	ओं रामानुजीय-सिद्धान्त-सर्वोत्कृष्टत्व-साधकाय नमः
441	ओं सच्चरित्र-त्राण-सम्यक्-त्रात-सन्मार्ग-सन्ततये नमः
442	ओं खिलाध्यक्ष-श्रुति-स्थापित-चक्राङ्कन-संस्कृतये नमः
443	ओं स्मृतीतिहास-निर्णीत-तप्त-चक्रादि-धारणाय नमः
444	ओं तप्त-मुद्रा-निषेधादि-वचो-निर्वाह-कोविदाय नमः
445	ओं प्रत्यक्ष-श्रुति-रूप-प्रमाण-बोध्योर्ध्व-पुण्ड्रकाय नमः
446	ओं ऊर्ध्व-पुण्ड्र-प्रमाण-स्मृतीतिहास-पुराण-विदे नमः
447	ओं ऊर्ध्व-पुण्ड्रान-नुष्ठान-निमित्तानर्थ-साधकाय नमः

448	ओं सर्व - वैदिक - कर्माङ्गोर्ध्व - पुण्ड्र - धृति - कोविदाय नमः
449	ओं भस्म - श्रीवैष्णवा - स्पृश्य - भाव - साधन - दक्षिणाय नमः
450	ओं ऊर्ध्व - पुण्ड्र - धृति - द्रव्य - विशेषाव - धृति - क्षमाय नमः
451	ओं अच्छिद्र - पुण्ड्र - दमनाय नमः
452	ओं तिर्यक् - पुण्ड्र - निषेधकाय नमः
453	ओं भगवत्पाद - सदृशोर्ध्व - पुण्ड्राकृति - वेदित्रे नमः
454	ओं पुण्ड्र - सच्छिद्रता - वेत्रे नमः
455	ओं पुण्ड्र - सङ्ख्या - विचारकाय नमः
456	ओं ऊर्ध्व - पुण्ड्र - धृति - प्रोक्त - प्रकार - विवृति - क्षमाय नमः
457	ओं ऊर्ध्व - पुण्ड्रानेक - मन्त्र - व्यवस्था - करण - प्रियाय नमः
458	ओं वर्णाश्रमादि - नियतोर्ध्व - पुण्ड्राङ्गुलि - वेदित्रे नमः
459	ओं ऊर्ध्व - पुण्ड्र - स्थान - वेत्रे नमः
460	ओं ऊर्ध्व - पुण्ड्र - ध्येय - देव - विदे नमः
461	ओं श्रुति - स्मृत्यादि - निर्णीत - विष्णु - नैवेद्य - भोजनाय नमः
462	ओं विष्ण्वर्थान्ना - भक्त - चक्षुर्दर्शनोत् - सारण - प्रियाय नमः
463	ओं भगवद् - भुक्त - शेषान्ना - भक्त - दान - निषेधकाय नमः
464	ओं अन्य - देव - निवेद्यादि - भोज्यत्वाभाव - साधकाय नमः
465	ओं अनन्तायुध - पक्षीश - नैवेद्याद्यत्व - साधकाय नमः

466	ओं सेनेश - द्वार - पालादि - नैवेद्याद्यत्व - बाधकाय नमः
467	ओं सेनेश - हविरा - लम्बि - पक्ष - भेद - निरूपकाय नमः
468	ओं विभक्त - विष्णु - नैवेद्य - चातुर्विध्यो - पयोग - विदे नमः
469	ओं हरि - पूजोपयुक्त - स्थायि - पूजान्तर - योग - विदे नमः
470	ओं विष्णु - नैवेद्यैक - साध्य - वैश्वदेव - विधि - प्रियाय नमः
471	ओं विष्णु - नैवेद्यैक - साध्य - पितृ - श्राद्ध - क्रियादिकाय नमः
472	ओं विष्णु - नैवेद्यैक - साध्य - प्राणाग्नि - हवन - प्रियाय नमः
473	ओं वैश्वदेवेज्योप - युक्त - भोज्यता - वाक्य - शोधकाय नमः
474	ओं विष्णु - नैवेद्य - हार्दानि - वेद्याशन - निषेधकाय नमः
475	ओं अर्चा - हार्दादि - रूपाश्रय - हविरंश - विशेष - विदे नमः
476	ओं अन्य - प्रयुक्तोप - जीवि - प्राणाग्नि - हवन - क्रियाय नमः
477	ओं शठकोपादि - नैवेद्य - सार्थ - प्राणाग्नि - होत्रकाय नमः
478	ओं न्यास - विंशति - सङ्क्षिप्त - निक्षेपा - पेक्षिता - खिलाय नमः
479	ओं सङ्क्षिप्त - न्यास - विद्याङ्ग - श्रीन्यास - दशक - प्रदाय नमः
480	ओं निक्षेप - रक्षा - कृते नमः
481	ओं न्यास - निषेध - नवकान्तकाय नमः
482	ओं आनुकूल्या - द्यङ्ग - भेद - प्रपत्त्यध्याय - भेद - दृशे नमः
483	ओं अन्य - देव - पराचार्य - त्याग - पर्यन्त - बोध - कृते नमः

484	ओं संहिता - भेद - गम्य - न्यास - विद्या - मनु - भेद - विदे नमः
485	ओं न्यास - भक्ताप - चारादि - नाश्यत्व - व्याकृति - क्षमाय नमः
486	ओं न्यास - मन्त्र - द्वय - न्यास - सर्वाधिकृति - शोधकाय नमः
487	ओं पुंसु - विद्या - न्यास - विद्या - शेष - भाव - प्रकार - विदे नमः
488	ओं सङ्कल्पित - गुरूपाया - सङ्ग्राह्य - लघु - वेदित्रे नमः
489	ओं श्रीराम - चरमश्लोक - व्याख्यान - करण - क्षमाय नमः
490	ओं श्रुत्यन्त - वेदन - ग्राह्य - भक्ति - न्यासोप - पादकाय नमः
491	ओं ब्रह्म - सूक्ताद्युक्त - भक्ति - न्यास - विद्या - द्वयोत्सुकाय नमः
492	ओं मोक्षार्था - राधनाद्यर्थ - न्यासावान्तर - भेद - विदे नमः
493	ओं भाष्यकारोक्त - गद्यत्रय - व्याख्यान - विचक्षणाय नमः
494	ओं गद्यद्वय - व्याकृतित्व - निरूपण - विचक्षणाय नमः
495	ओं गद्य - प्रपत्ति - प्राधान्य - परत्व - प्रतिपादकाय नमः
496	ओं प्रपित्सु - पूर्व - मध्यैष्यत्काल - कर्तव्य - बोधकाय नमः
497	ओं शरण्य - पूर्व - मध्यैष्यत्काल - कर्तव्य - वेदित्रे नमः
498	ओं लक्ष्मी - प्रपत्ति - मोक्षार्थ - प्रपत्त्यर्थत्व - साधकाय नमः
499	ओं कमलानुग्रहै - कान्त्य - पारम्य - त्राण - दीक्षिताय नमः
500	ओं श्रीन्यास - पारमैकान्त्य - भङ्गकत्व - निवारकाय नमः
501	ओं पर - भक्ति - पर - ज्ञान - परम - प्रेम - शोधकाय नमः

502	ओं न्यास - स्वरूप - विषया - यत्त - वैषम्य - साधकाय नमः
503	ओं पञ्चा - युधावान्तरीय - प्रयोजन - विचारकाय नमः
504	ओं पञ्चा - युध - प्रमाणीय - विरोधो - द्धार - कोविदाय नमः
505	ओं गद्योक्त - पितृ - मात्रादि - त्याग - निर्वाह - कोविदाय नमः
506	ओं अकृत्य - कृत्या - करणाप - चारादि - विशेष - विदे नमः
507	ओं भक्ता - पचार - विदे नमः
508	ओं पाप - शक्ति - भेद - निरूपकाय नमः
509	ओं रहस्य - स्पष्ट - भक्ताप - चारादि - परिहार - विदे नमः
510	ओं वर्तमान - भविष्यत् - काम्य - क्षमार्थन - युक्ति - विदे नमः
511	ओं प्रपन्ना - बुद्धि - पूर्वैनो - निष्कृत्युत्तय - विरोध - विदे नमः
512	ओं चतुः - शलोकी - भाष्य - सूक्त - लक्ष्मीशत्वो - पपत्तिकाय नमः
513	ओं लक्ष्मी - विषय - दुर्वादि - विरुद्धोक्ति - निवारकाय नमः
514	ओं स्तोत्र - भाष्य - कृति - व्यक्त - यामुना - चार्य - मानसाय नमः
515	ओं स्वार्थान्योक्त - स्तोत्र - सर्व - पुरुषार्थत्व - साधकाय नमः
516	ओं गुरु - तद्गुरु - सम्पात - काल - प्राचार्य - दास्य - कृते नमः
517	ओं वैखानसा - गमा - द्युक्त - नति - भेद - विचारकाय नमः
518	ओं वकुला - भरणा - चार्य - भावा - नेक - विरोधघ्ने नमः
519	ओं अध्यक्षागम - सत्सूक्ति - निर्णीत - जगदीश्वराय नमः

520	ओं नारायणा - द्यनन्यार्थ - संज्ञा - स्तेतर - दैवताय नमः
521	ओं पारम्य - सूचका - नेका - नन्यथा - सिद्ध - लिङ्ग - दृशे नमः
522	ओं वक्तृ - सत्वा - द्यनुगुण - सात्त्विकादि - पुराण - विदे नमः
523	ओं सात्त्विकादि - प्रवचन - सात्त्विकत्व - प्रसाधकाय नमः
524	ओं श्री - पाञ्च - रात्र - रक्षा - कृते नमः
525	ओं पञ्च - रात्र - प्रमाण - विदे नमः
526	ओं अस्मार्त - संस्क्रिया - धीना - ब्रह्मण्या - पत्ति - वारकाय नमः
527	ओं त्रैय्यागमोक्त - कर्माधि - कारि - वैषम्य - साधकाय नमः
528	ओं एकायना - पौरुषेय - भाव - साधन - वेदित्रे नमः
529	ओं श्री - पाञ्च - रात्र - सिद्धान्त - भेद - लक्षण - वेदित्रे नमः
530	ओं चतुर्विधागम - ब्रह्म - प्राप्ति - हेतुत्व - साधकाय नमः
531	ओं सिद्धान्त - संहिता - तत्तत् - साङ्कर्य - परिहार - विदे नमः
532	ओं स्वान्य - सिद्धान्त - कर्माधि - काराभाव - प्रसाधकाय नमः
533	ओं आगमा - वान्तरोत् - कर्षाप - कर्षादि - विधायकाय नमः
534	ओं उत्कृष्टस्थ - निकृष्टोक्त - क्रियाधिकृति - बोधकाय नमः
535	ओं वैखानसाख्य - तन्त्र - प्रमाणत्व - विवृति - क्षमाय नमः
536	ओं वैखानसा - गमान्योन्य - साङ्कर्या - सक्ति - भञ्जकाय नमः
537	ओं श्री - पाञ्च - रात्र - सर्वोप - जीव्यत्वोक्ति - विचक्षणाय नमः

538	ओं सूत्रान्तर-स्थापितार्चा-तन्त्र-पूजा-विधायकाय नमः
539	ओं शैवागमाद्य-मानत्व-संस्थापन-विचक्षणाय नमः
540	ओं प्राक्-प्रवृत्त-परित्यागोत्-कृष्टागम-निरोधकाय नमः
541	ओं सात्त्विकादि-विभागाधी-नागमा-मान-तापहाय नमः
542	ओं पूर्वागमोत्-कृष्ट-मार्ग-विधान-सुगति-प्रदाय नमः
543	ओं स्वयं-व्यक्तादि-भवन-तारतम्य-विधायकाय नमः
544	ओं देव-पूजा-मुख्य-गौणाधि-कारि-व्याकृति-क्षमाय नमः
545	ओं देवेज्या-ष्टाङ्गतोत्-कर्ष-वर्णनैक-विचक्षणाय नमः
546	ओं प्रयत्नाद्यन-पेक्ष-स्वतस्सिद्धोत्-कर्ष-वस्तु-दृशे नमः
547	ओं परमैकान्ति-कर्तव्य-पञ्च-काल-क्रिया-सुधिये नमः
548	ओं भाष्य-काराश्रयी-भूत-पञ्च-काल-प्रकाशकाय नमः
549	ओं वैशेषिक-त्रिकालार्चाभि-धानाद्य-विरोध-दृशे नमः
550	ओं श्री-पाञ्च-रात्र-स्मृत्यैक-कण्ठ्य-स्थापन-दक्षिणाय नमः
551	ओं व्यास-दक्षा-द्युक्त-धर्म-शास्त्रार्थ-विवृति-क्षमाय नमः
552	ओं सर्व-क्रिया-द्यङ्ग-भूत-हरि-स्मरण-बोधकाय नमः
553	ओं पाञ्च-रात्रोक्त-भगवद्-ज्ञान-नित्यत्व-साधकाय नमः
554	ओं अर्चावतार-रहित-गृह-भोजन-दोष-विदे नमः
555	ओं भगवद्ध्यान-रहित-काल-वैयर्थ्य-साधकाय नमः

556	ओं प्राप्त - कामार्थ - लिप्सा - पार - मैकान्त्यानु - कूल्य - दृशे नमः
557	ओं कैङ्कर्य - काला - वश्यानु - सन्धेयार्थ - विशेष - विदे नमः
558	ओं समयाचार - नियमा - ध्यायोक्ता - वश्यकत्व - विदे नमः
559	ओं वैष्णव - श्री - धर्म - शास्त्रो - दीरिता - वश्यकत्व - विदे नमः
560	ओं आरम्भ - मन्त्र - निर्णेत्रे नमः
561	ओं सात्त्विक - त्याग - साधकाय नमः
562	ओं रात्र्यन्तोत्थान - समय - हरि - कीर्तन - साधकाय नमः
563	ओं निद्रा - निमित्ता - चमनानु - कल्पा - वश्यकत्व - विदे नमः
564	ओं पूर्व - क्षपा - विरमित - योग - कार्यत्व - वेदित्रे नमः
565	ओं अभियाना - रम्भ - काल - वेत्रे नमः
566	ओं निर्वेद - काल - विदे नमः
567	ओं निर्वेद - फल - विदे नमः
568	ओं कार्यकर - सात्त्विक - धैर्य - विदे नमः
569	ओं मन्त्राधि - गम - गुर्वन्यो - पाय - दूषण - वेदित्रे नमः
570	ओं गुरु - ध्यानानु - कर्तव्य - हरि - ध्यान - स्वरूप - विदे नमः
571	ओं कैङ्कर्यार्थी - चार्य - विष्णु - न्यासानु - ध्यान - बोधकाय नमः
572	ओं नित्य - प्रयोज्य - कैङ्कर्य - पूरणार्थन - मन्त्र - विदे नमः
573	ओं स्तोत्रादि - स्थावश्य - कीर्त्य - देव - देव्यादि - नाम - विदे नमः

574	ओं भगवन्मन्त्र-तत्काल-चोदितोचित-जप्य-विदे नमः
575	ओं पद-न्यास-मनु-ज्ञात्रे नमः
576	ओं पद-क्रम-मनूक्ति-मते नमः
577	ओं गति-कालावश्य-कार्य-केशवाह्वान-कीर्तनाय नमः
578	ओं सन्ध्या-स्नानोप-करण-ग्रहणैक-विचक्षणाय नमः
579	ओं मल-मूत्र-विसर्गार्थ-देशादि-सकलार्थ-विदे नमः
580	ओं शौच-सङ्ख्या-क्रम-द्रव्य-काल-वैषम्य-साधकाय नमः
581	ओं दन्त-धावन-काष्ठादि-व्यवस्था-न्याय-तत्पराय नमः
582	ओं स्नान-तीर्थ-विशेष-ज्ञाय नमः
583	ओं स्नान-भेद-विधायकाय नमः
584	ओं उष्णोदक-स्नान-काल-व्यवस्था-करण-क्षमाय नमः
585	ओं वासो-धारण-पुण्ड्राङ्ग-तर्पण-क्रम-साधकाय नमः
586	ओं सन्ध्यो-पास्ति-विशेष-ज्ञाय नमः
587	ओं गायत्री-स्थान-सार-विदे नमः
588	ओं गायत्री-जप-सङ्ख्यान-साधनोत्-कर्ष-सार-विदे नमः
589	ओं सन्ध्या-कालीन-नियम-वेत्रे नमः
590	ओं उपस्थान-काल-विदे नमः
591	ओं दिगादि-नमना-सक्त-पारमैकान्त्य-भङ्गघ्ने नमः

592	ओं सन्ध्या - कालावश्य - कार्य - मूल - मन्त्र - जपोक्ति - मते नमः
593	ओं व्याकृता - धार - शक्त्यादि - देवर्षि - पितृ - तर्पणाय नमः
594	ओं नित्य - तर्पण - कर्मान्त - वासः पीडन - साधकाय नमः
595	ओं ब्रह्मेज्या - काल - विदे नमः
596	ओं ख्यात - तीर्थ - मन्त्रोप - संहृतये नमः
597	ओं तीर्था - सन्नानन्त - सद्म - प्रवेशा - वश्यकत्व - विदे नमः
598	ओं भगवत् - सद्म - सन्त्याज्य - द्वात्रिंश - दपचारकाय नमः
599	ओं अभ्युक्षणो - क्षित - गृहाय नमः
600	ओं होम - काल - विशेष - विदे नमः
601	ओं पर - गो - ग्रास - दानर्द्धये नमः
602	ओं अभियान - स्वरूप - विदे नमः
603	ओं उपादानाख्य - समय - वेत्रे नमः
604	ओं उपादान - मन्त्र - विदे नमः
605	ओं हेयोपादेय - देवार्थ - सुमादि - द्रव्य - वेदित्रे नमः
606	ओं स्वार्जिता - रण्य - मूल्य - क्रीत - याचित - गुणादि - विदे नमः
607	ओं सुमनोगत - सत्त्वादि - कृतोपादान - हानकाय नमः
608	ओं तिथि - भेदादि - नियत - पुष्प - भेदादि - साधकाय नमः
609	ओं दिवा - निशा - देव - याग - व्याप्त - सून - विशेष - विदे नमः

610	ओं शास्त्रानु-मत-शिष्टा-ग्राह्य-पुष्पादि-निवारकाय नमः
611	ओं गृहा-लयार्चा-नियत-वासः पुष्पादि-भेद-विदे नमः
612	ओं स्रङ्माला-भेद-दृशे नमः
613	ओं सूत्र-ग्रथितादि-निषेधकाय नमः
614	ओं भगवद्याग-वर्ज्यो-पादेयाभरण-शोधकाय नमः
615	ओं प्राण्यङ्ग-सुरभि-द्रव्यो-पयोग-व्याकृति-क्षमाय नमः
616	ओं हेयोपादेय-मुकुळ-पत्राङ्कुर-विचारकाय नमः
617	ओं दिनद्वया-पर्युषित-कुसुमोक्ति-विचक्षणाय नमः
618	ओं भोज-राजा-द्युक्त-काल-पुष्प-भेद-विचारकाय नमः
619	ओं ग्राह्य-मूल-ग्रहीत्रे नमः
620	ओं धूप-दीप-द्रव्य-वेदित्रे नमः
621	ओं दशा-विशेषानु-मतार्जनोपाय-विशेष-विदे नमः
622	ओं सर्व-प्रतिग्रह-व्याप्त-मनु-निर्णय-कोविदाय नमः
623	ओं यति-पुष्प-ग्रहोपाय-विशदी-करण-क्षमाय नमः
624	ओं पूजाद्यर्हान्त-रात्मीय-गुणोपादान-साधकाय नमः
625	ओं भाष्यकारोक्त-नित्याख्य-ग्रन्थ-व्याकरण-क्षमाय नमः
626	ओं इज्या-काल-विशेष-ज्ञाय नमः
627	ओं इज्या-प्राधान्य-साधकाय नमः

628	ओं परमैकान्ति - शब्दार्थ - तन्निबन्धन - वेदित्रे नमः
629	ओं यत्यन्य - देव - पूजादि - महा - दोष - प्रसाधकाय नमः
630	ओं परमैकान्ति - सन्दृष्टान्यदेव - नति - बाधकाय नमः
631	ओं कर्मण्यता - भाव - हेतु - पाप - तच्छान्ति - हेतु - दृशे नमः
632	ओं इज्याधिकार - भेद - ज्ञाय नमः
633	ओं इज्या - सारार्थ - वेदित्रे नमः
634	ओं स्वाध्याय - काल - स्वाध्याय - भेदाधिकृति - भेद - दृशे नमः
635	ओं स्वाध्याय - सार - सन्द्रष्ट्रे नमः
636	ओं स्वाध्यायाङ्ग - विशेष - विदे नमः
637	ओं सायं - सन्ध्या - होम - देव - पूजा - भोजन - काल - विदे नमः
638	ओं भुजिलोप - निमित्त - प्राणाग्नि - होत्र - मनूजपाय नमः
639	ओं प्रदोष - वर्जित - निशा - योग्याधीति - विशेष - विदे नमः
640	ओं त्रयोदशी - पूर्व - रात्रि - कार्य - मौन - विशेष - विदे नमः
641	ओं प्रदोष - काल - कर्तव्य - सन्ध्या - सङ्कोच - वेदित्रे नमः
642	ओं प्रदोषा - वश्य - वर्ज्याष्टाक्षर - मन्त्र - जपोक्ति - मते नमः
643	ओं सन्ध्यात्या - ज्याष्टाक्षरान्य - गायत्र्यन्य - जप - क्रियाय नमः
644	ओं आशौच - काल - सन्त्याज्य - गायत्र्यन्य - जप - क्रियाय नमः
645	ओं अध्यायानर्ह - विषुवाद्यनु - ज्ञात - जपान्तराय नमः

646	ओं मौन - क्रिया - समायात - सच्छिद्रत्व - निरासकाय नमः
647	ओं प्रदोष - नरसिंहान्य - हरि - दर्शन - बाधकाय नमः
648	ओं प्रदोष - कालानु - ज्ञात - स्वगृहार्चाव - लोकनाय नमः
649	ओं मध्य - रात्र - निषिद्ध - स्वगृहार्चा - पूजनादिकाय नमः
650	ओं मध्य - रात्रो - परागादि - कालावर्ज्यार्च - नादिकाय नमः
651	ओं सर्व - कालाभ्यनु - ज्ञाता - स्थानस्थ - हरि - दर्शनाय नमः
652	ओं अष्टाङ्ग - याग - मध्यानु - ज्ञात - स्वाध्याय - योग - विदे नमः
653	ओं श्री - पराशर - शाण्डिल्या - द्युक्त - योग - स्वरूप - विदे नमः
654	ओं श्री - भाष्यकृत् - सम्प्रदाय - प्रपन्न - जन - योग - दृशे नमः
655	ओं न्यास - गद्याद्यनुगुण - विनियोग - विधायकाय नमः
656	ओं अर्चावतार - विषय - योगौचित्याभि - धायकाय नमः
657	ओं योगाङ्ग - संहति - न्यास - स्थानाचमन - साधकाय नमः
658	ओं योगोप - कारि - करण - श्रान्ति - हेतु - सुषुप्ति - मते नमः
659	ओं खट्वादि - रूप - ब्रह्मादि - सम्परिष्वङ्ग - भावनाय नमः
660	ओं शास्त्रीय - शयनीयादि - नियमादि - विधायकाय नमः
661	ओं स्वाराध्य - भगवत् - पाद - सरोज - न्यस्त - शीर्षकाय नमः
662	ओं निद्रा - रम्भच्छेद - कार्य - माधव - ध्यान - कीर्तनाय नमः
663	ओं एकादश्यादि - लुप्तानु - याग - सप्ताङ्ग - याग - दृशे नमः

664	ओं द्वादश्यादि-प्रभाताधःपारणा-स्थापन-क्षमाय नमः
665	ओं पारणा-दिन-मध्याह्न-सप्ताङ्गेज्या-विचारकाय नमः
666	ओं अनेकेज्या-सन्निपात-लुप्तोपादान-लेशकाय नमः
667	ओं अशक्त्य-वस्थास्व-समानर्त्विगादि-कृतेज्यकाय नमः
668	ओं विधुर-व्रति-सन्यासि-वनस्थर्त्विङ्-निषेधकाय नमः
669	ओं सूतकादि-दशात्याज्य-शुचि-कर्तव्य-कर्मकाय नमः
670	ओं मौन-शून्याशौच-काल-कीर्त्यध्येय-हरि-प्रियाय नमः
671	ओं आशौच-काल-कर्तव्या-भियानाख्य-क्रिया-पराय नमः
672	ओं सर्व-क्रिया-प्रतिनिधि-भगवन्नाम-कीर्तनाय नमः
673	ओं रहस्याम्नाय-निष्ठाशौच-निषेध-विधायकाय नमः
674	ओं ब्रह्म-वित्त्व-निमित्ताघ-सङ्कोच-व्याहति-क्षमाय नमः
675	ओं प्रक्रान्तोत्सव-कार्यादि-सूतकादि-निषेधकाय नमः
676	ओं आशौच-काल-कर्तव्य-मानसेज्या-विचारकाय नमः
677	ओं आशौच-काल-कर्तव्य-सन्ध्यो-पास्ति-प्रकार-विदे नमः
678	ओं दुष्करत्व-परिज्ञान-क्षुब्ध-पुंहर्ष-वर्धकाय नमः
679	ओं भगवद्धर्म-सौकर्य-विशेष-व्याकृति-क्षमाय नमः
680	ओं इज्योपचार-वैकल्य-दोषादोष-विचारकाय नमः
681	ओं सङ्कल्प-सूर्योदयाधःकृत-पारक्य-नाटकाय नमः

682	ओं सङ्कल्प - सूर्योदयाद्य - पद्य - व्यक्त - स्ववैभवाय नमः
683	ओं छात्र - बद्ध - ध्वजोद्धासि - दशाशा - सौध - मण्डलाय नमः
684	ओं श्री - वैकुण्ठ - विनोदिने नमः
685	ओं सत्कवि - नाटक - लक्ष्म - दृशे नमः
686	ओं शान्त्यैक - रस - भाव - ज्ञाय नमः
687	ओं शृङ्गारादि - रसत्वघ्ने नमः
688	ओं गौड - वैदर्भ - पाञ्चाल - मालाकार - वचो - धराय नमः
689	ओं पात्री - कृत - विवेकादि - गुणाधिष्ठातृ - दैवताय नमः
690	ओं सन्धि - पञ्चक - संवेश - नाटक - स्थान - कोविदाय नमः
691	ओं सर्व - सङ्कट - विध्वंसि - विशङ्कट - मनीषिताय नमः
692	ओं विंशद्वर्षाधीत - सर्व - विद्या - सन्तति - भासुराय नमः
693	ओं त्रिंशद्वार - श्रावित - श्रीमच्छारीरक - भाष्यकाय नमः
694	ओं यतीन्द्रार्पित - दुर्वादि - विजयार्थ - पवित्रकाय नमः
695	ओं वाद - नाम्ने नमः
696	ओं वाद - दोष - व्यवस्था - करण - क्षमाय नमः
697	ओं सूक्ष्म - सूक्ष्मतरात्यन्त - सूक्ष्म - प्रश्नोत्तर - क्षमाय नमः
698	ओं यतीन्द्र - ग्रन्थ - सुरभि - मनस्कपद - शेखराय नमः
699	ओं शङ्करादि - कुदृङ्मूर्ध - न्यस्त - वाम - पदोज्ज्वलाय नमः

700	ओं कुदृङ्मूर्ध-न्यस्त-पाद-सुवर्ण-कटकोज्ज्वलाय नमः
701	ओं वैकुण्ठ-लोक-स्त्रीपुंस-मिथुनार्थो-पपत्ति-विदे नमः
702	ओं स्वशिल्पजित-गीर्वाण-दैत्य-शिल्प-चमत्कृतये नमः
703	ओं समाधि-साधक-स्थान-शुभाश्रय-निरूपकाय नमः
704	ओं अनात्म-गुण-कामादि-निरासादि-प्रकार-विदे नमः
705	ओं महात्मा-त्मानात्म-गुण-चेष्टित-ज्ञापन-क्षमाय नमः
706	ओं राघवा-भ्युदयोत्कृष्ट-यादवा-भ्युदय-प्रदाय नमः
707	ओं श्रीसेतु-शठकोपादि-सेवा-सन्तुष्ट-मानसाय नमः
708	ओं चोल-देशीय-भगवत्-क्षेत्र-सेवा-रसाकुलाय नमः
709	ओं हस्तीश-सेवाकुलात्मने नमः
710	ओं नरेन्द्र-मद-सर्पघ्ने नमः
711	ओं नरेन्द्र-वन्दिताय नमः
712	ओं तार्क्ष्य-दण्डकोत्तम-दातृ-धिये नमः
713	ओं पुनर्वृषाद्रि-रङ्गेश-सेवार्थ-गमनोत्सुकाय नमः
714	ओं आश्चर्यावह-चारित्र-वाजि-वक्त्राधि-दैवताय नमः
715	ओं वरदाचार्य-जनकाय नमः
716	ओं जीविताखिल-विष्टपाय नमः
717	ओं हयास्य-पूर्त-तीर्थाहर्दृष्ट-लज्जित-विघ्न-कृते नमः

718	ओं रात्रि - निर्व्यूढ - रङ्गेश - पादरक्षा - सहस्रकाय नमः
719	ओं पादरक्षा - सहस्रोक्त - पादुका - सेवकाभिधाय नमः
720	ओं रङ्गेश - दत्त - कवितार्किक - सिंहाभि - धानकाय नमः
721	ओं सम्प्रदाय - परीशुद्धि - स्थापिताचार्य - सत्पथाय नमः
722	ओं सत्सम्प्रदाय - रहित - शास्त्रानादर - बोधकाय नमः
723	ओं सच्छास्त्र - मूलान्य - सम्प्रदाया - नादर - बोधकाय नमः
724	ओं कल्यादि - निगमान्त - प्रवर्तकाव - धृति - क्षमाय नमः
725	ओं शठकोपाचार्य - भावस्थापनैक - विचक्षणाय नमः
726	ओं अनुकूलाचार्य - वंश्य - विद्या - दान - सुपात्र - विदे नमः
727	ओं मुख्य - प्रधाना - चार्यत्व - स्थापनैक - विचक्षणाय नमः
728	ओं श्रीमद्रामानुजाचार्य - सम्प्रदाय - विरोधघ्ने नमः
729	ओं रहस्य - तत्त्व - त्रितय - पदवी - कृति - भासुराय नमः
730	ओं रहस्य - तत्त्व - रत्नावल्य - लङ्कृत - सुहृन्मनसे नमः
731	ओं तत्त्व - रत्नावली - प्रतिपाद्य - सङ्ग्रह - कारकाय नमः
732	ओं तत्त्व - रत्नावली - गम्य - ज्ञान - पर्याप्ति - बोधकाय नमः
733	ओं रहस्य - रत्नावल्याख्य - रहस्य - व्याकृति - प्रियाय नमः
734	ओं न्यास्युत्तरैनः प्रतिपदोक्त - निष्कृति - साधकाय नमः
735	ओं श्रीतत्त्व - नवनीत - प्रीत - हस्तिगिरि - नायकाय नमः

736	ओं रहस्य-नवनीतोक्ति-हृष्ट-वेङ्कट-नायकाय नमः
737	ओं काल-तामस-भावादि-निबन्धन-विचारकाय नमः
738	ओं भगवत्-त्रिस्थला-वास-क्रिया-व्याकृति-दक्षिणाय नमः
739	ओं युग-भेदाधीन-वर्ण-भगवद्देह-दर्शनाय नमः
740	ओं श्रीतत्त्व-मातृका-हृष्ट-भगवद्भक्त-मानसाय नमः
741	ओं रहस्य-मातृका-दत्त-प्रपन्नान्वह-तोषकाय नमः
742	ओं सारसङ्ग्रह-कृते नमः
743	ओं न्यासि-ग्राह्याग्राह्य-विभाग-विदे नमः
744	ओं प्रपन्न-स्वीकृति-कृतपूर्त्यपूर्ति-विचारकाय नमः
745	ओं मानादि-दशका-लम्बि-विवेक-फल-बोधकाय नमः
746	ओं मान-प्रमेय-विदे नमः
747	ओं शिष्याचार्य-कृत्यादि-सार-विदे नमः
748	ओं व्यक्ती-कृताखिलोत्कर्ष-श्रीरहस्य-शिखामणये नमः
749	ओं श्रीमद्वराहा-वतार-सर्वाधिक्याभि-धायकाय नमः
750	ओं वराहाख्य-पुराणातिशय-वर्णन-दक्षिणाय नमः
751	ओं प्रपत्ति-पर-वाराह-चरमश्लोक-बोधकाय नमः
752	ओं यामुनोक्ति-परिष्कार्याञ्जलि-वैभव-कारकाय नमः
753	ओं प्रपन्न-विषय-श्रीमदधिक-प्रीति-साधकाय नमः

754	ओं श्रीमद्वास्यानन्य-दैवत्वा-नन्यार्थत्व-चिह्न-दृशे नमः
755	ओं प्रधान-शतक-व्यक्तीकृत-मुख्यार्थ-सञ्चयाय नमः
756	ओं सदानु-सन्धेयार्थोपकार-सङ्ग्रह-कारकाय नमः
757	ओं महोपकार-विदे नमः
758	ओं सारसाराख्यान-कृति-प्रियाय नमः
759	ओं पराङ्कुशादि-निर्व्याज-रक्षणोक्ति-विरोधघ्ने नमः
760	ओं रहस्य-तत्त्व-त्रितय-चुलकास्वादिता-श्रिताय नमः
761	ओं अभय-प्रदान-सार-स्पष्ट-रामायणान्तराय नमः
762	ओं श्रीशापचार-रसिक-वैष्णवानादरोक्ति-मते नमः
763	ओं श्रीशापचार-भक्तानादर-क्षामण-काल-विदे नमः
764	ओं न्यासापेक्षित-सर्वार्थ-व्यञ्जकादिम-काव्य-विदे नमः
765	ओं श्रीमत्कृपा-परिणत-सोपान-पदवी-प्रियाय नमः
766	ओं अर्चिरादि-महामार्ग-विरोध-शमन-प्रियाय नमः
767	ओं माधवात्मज-भूपार्थ-तत्त्व-सन्देश-कारकाय नमः
768	ओं रहस्य-सन्देश-कृति-प्रीत-माधव-पुत्रकाय नमः
769	ओं रहस्य-सन्देश-विवरणाख्य-कृति-तोषकाय नमः
770	ओं माधवात्मज-भूपार्थ-सुभाषित-विधान-विदे नमः
771	ओं हंससन्देश-विवृत-भगवत्प्रेम-तल्लजाय नमः

772	ओं श्रीमन्मौळि - क्रमाभिख्य - ग्रन्थ - निर्माण - कोविदाय नमः
773	ओं लोकाचार्यादि - सच्छिष्यार्पित - शारीरक - भाष्यकाय नमः
774	ओं ब्रह्मतन्त्र - स्वतन्त्रादि - शिष्यार्पित - रहस्यकाय नमः
775	ओं कृताशीति - सहस्र - द्रमिडागम - परीमळाय नमः
776	ओं मुनि - वाहन - भोगाख्य - ग्रन्थ - सम्प्रीत - सज्जनाय नमः
777	ओं श्रीमन्मधुरक - व्युक्ति - गाथा - व्याख्यान - दक्षिणाय नमः
778	ओं द्रमिडाम्नाय - तात्पर्य - रत्नावलि - विधायकाय नमः
779	ओं द्रमिडोपनिषत्सार - प्रबन्धोज्ज्वल - मानसाय नमः
780	ओं श्लोक - त्रयोक्त - भगवदाराधन - विधि - क्रमाय नमः
781	ओं नव - श्लोकी - सङ्ग्रहीत - ब्रह्मसूत्र - विधानकाय नमः
782	ओं प्रबन्धसार - निर्मात्रे नमः
783	ओं आहार - नैयत्य - गीति - कृते नमः
784	ओं मूल - मन्त्रार्थ - सङ्ग्राहि - गाथा - कृति - विशारदाय नमः
785	ओं द्वय - मन्त्रार्थ - सङ्ग्राहि - गाथा - करण - दक्षिणाय नमः
786	ओं चरमश्लोक - सङ्ग्राहि - गाथा - सङ्ग्रह - कोविदाय नमः
787	ओं प्रपत्ति - गर्भ - गीतार्थ - गाथा - कृति - विचक्षणाय नमः
788	ओं लक्ष्मणाचार्य - रोगघ्न - पाद - तीर्थ - प्रभावकाय नमः
789	ओं श्रुतप्रकाशिका - रक्षा - रक्षिताध्यात्म - भाष्यकाय नमः

790	ओं यादवाचल - भद्राशासनार्थ - गति - भासुराय नमः
791	ओं अभीति - स्तव - सञ्ज्ञाताभीति - रङ्गपुरी - गतये नमः
792	ओं रङ्ग - प्रापित - रङ्गेश - गोपणार्य - स्तुति - प्रियाय नमः
793	ओं रहस्यत्रय - सारोज्जीवित - चेतन - सञ्चयाय नमः
794	ओं द्रमिडोपनिषद् - द्रष्टृसूरि - बृन्दोपकार - विदे नमः
795	ओं मोक्षैक - साधना - चार्यवत्ता - साधन - तत्पराय नमः
796	ओं स्वाचार्यादि - शरण्यान्त - भक्ति - क्रम - विशेष - विदे नमः
797	ओं श्रीमद् - भगवदाचार्य - भाव - बाधक - बाधकाय नमः
798	ओं शठारि - नाथ - योगीन्द्र - गुरु - शिष्यत्व - साधकाय नमः
799	ओं अपरीक्ष्य - रहस्यादि - प्रदान - बहु - दोष - विदे नमः
800	ओं भक्ति - प्रकाशित - गुरुवंश - शिष्य - निबन्धनाय नमः
801	ओं असम्भाष्यादि - सम्भाषण - निष्कृति - गुरु - स्मृतये नमः
802	ओं मोक्षार्थ - शास्त्रानारम्भ - हेतुधिकृति - दक्षिणाय नमः
803	ओं आचार्य - निकट - प्राप्ति - हेतु - षट्क - निरूपकाय नमः
804	ओं सार - निष्कर्ष - कुशलाय नमः
805	ओं प्रधान - प्रतितन्त्र - विदे नमः
806	ओं ईशाधारकता - शेषित्व - नियन्तृत्व - बोधकाय नमः
807	ओं जीवाधेयत्व - शेषत्व - नियाम्यत्व - निरूपकाय नमः

808	ओं सङ्कल्पाधीन - नित्याख्य - वस्तु - स्थिति - विशेष - विदे नमः
809	ओं शेष - शेष्यादि - सम्बन्ध - फलितार्थ - विशेष - विदे नमः
810	ओं अर्थ - पञ्चक - तत्त्व - ज्ञाय नमः
811	ओं तत्त्वत्रय - विशेष - विदे नमः
812	ओं स्वाधीन - त्रिविधाचिच्चित् - स्वरूप - स्थिति - वृत्ति - दृशे नमः
813	ओं प्रमाण - गम्य - धर्मि - स्वरूप - रूपक - धर्म - विदे नमः
814	ओं जीव - लक्षण - तत्त्व - ज्ञाय नमः
815	ओं बद्ध - लक्षण - लक्षित्रे नमः
816	ओं बद्ध - स्थिति - प्रवृत्ति - ज्ञाय नमः
817	ओं मुक्त - लक्षण - लक्षित्रे नमः
818	ओं मुक्त - स्थिति - प्रवृत्ति - ज्ञाय नमः
819	ओं नित्य - लक्षण - लक्षित्रे नमः
820	ओं नित्य - स्थिति - प्रवृत्ति - ज्ञाय नमः
821	ओं नित्याद्यन्योन्य - भेद - दृशे नमः
822	ओं नित्य - मुक्तात्म - कैङ्कर्य - सार्वविध्य - निरूपकाय नमः
823	ओं त्रिगुण - स्थिति - वृत्ति - ज्ञाय नमः
824	ओं ईश - लक्षण - लक्षित्रे नमः
825	ओं अवतार - रहस्य - ज्ञाय नमः

826	ओं पर - व्यूहादि - भेद - दृशे नमः
827	ओं श्रीजगत् - कारणत्वादि - साधकानेक - युक्ति - मते नमः
828	ओं श्रीमन्नारायण - पर - देवता - निर्णय - क्षमाय नमः
829	ओं सर्वदेव - परब्रह्मा - भेद - खण्डन - दक्षिणाय नमः
830	ओं त्रिमूर्ति - साम्य - दमनाय नमः
831	ओं त्रिमूर्त्यैक्य - विनाशकाय नमः
832	ओं त्रिमूर्त्युत्तीर्ण - परम - देवता - खण्डन - क्षमाय नमः
833	ओं त्रिमूर्त्यन्तर्गत - ब्रह्म - रुद्र - पारम्य - खण्डनाय नमः
834	ओं ब्रह्म - रुद्रादि - कार्यत्व - कर्म - वश्यत्व - साधकाय नमः
835	ओं ब्रह्म - रुद्रादि - भगवत् - पारतन्त्र्य - विचारकाय नमः
836	ओं ब्रह्मादि - भगवन्माया - यत्त - धीह्रास - वृत्ति - दृशे नमः
837	ओं विष्णु - दर्शित - सर्गोप - सर्गादि - विधि - शम्भु - दृशे नमः
838	ओं शुभाश्रयत्व - रहित - ब्रह्म - रुद्रादि - साधकाय नमः
839	ओं ब्रह्म - रुद्रादि - त्रिगुण - पारवश्य - निरूपकाय नमः
840	ओं ब्रह्म - रुद्रादि - भगवदाश्रितत्व - विधायकाय नमः
841	ओं ब्रह्म - रुद्रादि - भगवद्विभूतित्व - निरूपकाय नमः
842	ओं ब्रह्म - रुद्रादि - भगवत्प्रकारत्वाभि - धायकाय नमः
843	ओं ब्रह्म - रुद्रादि - भगवच्छरीरत्व - प्रकाशकाय नमः

844	ओं ब्रह्म-रुद्रादि-भगवद्दासत्व-स्थापन-क्षमाय नमः
845	ओं सात्त्विकत्वोत्पत्ति-हेतु-मधुसूदन-दृष्टि-दृशे नमः
846	ओं रजस्तमो-गुणासक्ति-हेतु-ब्रह्मादि-दृष्टि-दृशे नमः
847	ओं ब्रह्म-रुद्रादि-मोक्षार्थि-जनोपास्यत्व-बाधकाय नमः
848	ओं ब्रह्म-रुद्राद्युपास्यत्व-वचो-निर्वाह-कारकाय नमः
849	ओं ब्रह्म-रुद्रादि-पारम्य-दृक्कर्मानर्हतादि-दृशे नमः
850	ओं ब्रह्मादि-भगवत्साम्य-दृक्पाषण्डित्व-साधकाय नमः
851	ओं विष्णु-निग्राह्य-पात्रत्व-रहितेतर-दैव-दृशे नमः
852	ओं क्षिप्रेतर-फल-प्राप्ति-साधनेतर-दैव-दृशे नमः
853	ओं काम्याद्यर्था-श्रितानन्त-पुरुषार्थद-विष्णु-धिये नमः
854	ओं अज्ञान्य-देव-यजन-प्रीत-विष्णु-प्रकाशकाय नमः
855	ओं अज्ञान्य-देव-यजन-फल-वैकल्य-साधकाय नमः
856	ओं विष्ण्वात्मकान्य-देवज्ञ-कर्म-पौष्कल्य-साधकाय नमः
857	ओं निष्काम-विष्णु-सेवानुषङ्गान्य-फलसिद्धि-दृशे नमः
858	ओं पराङ्कुशादि-श्रीसूक्ति-साधितोत्कृष्ट-माधवाय नमः
859	ओं मुमुक्षा-हेतु-सार-ज्ञाय नमः
860	ओं अधिकारि-विभाग-विदे नमः
861	ओं प्रपत्त्यवान्तर-भिदा-वेत्रे नमः

862	ओं उपाय - विभाग - विदे नमः
863	ओं प्रपत्त्यधिक्रिया - पञ्चदश - निर्णय - धूर्वहाय नमः
864	ओं न्यास - विद्याङ्ग - पञ्चत्वो - पकार - व्याकृति - क्षमाय नमः
865	ओं विश्वासोत्कर्ष - विहति - कारण - व्याहति - क्षमाय नमः
866	ओं विश्वास - गोप्तृ - वरण - शब्दार्थत्व - प्रकार - विदे नमः
867	ओं प्रपत्ति - लक्षणाभिज्ञाय नमः
868	ओं न्यास - विद्याङ्गि - वेदित्रे नमः
869	ओं त्रिवर्ग - मोक्ष - जनक - न्यास - विद्या - विशेष - विदे नमः
870	ओं साङ्ग - प्रपत्त्यनुष्ठान - प्रयोग - विधि - साधकाय नमः
871	ओं साङ्ग - प्रपत्त्यनुष्ठान - सकृत्त्व - स्थापन - क्षमाय नमः
872	ओं सहेतु - कृत - कृत्यत्वानु - सन्धान - विशारदाय नमः
873	ओं स्व - स्वरूपोपाय - फल - निष्ठात्रय - विवेकवते नमः
874	ओं प्रपत्त्युत्तर - कर्तव्य - कृत्य - निर्णय - दक्षिणाय नमः
875	ओं भगवद्दास - कैङ्कर्य - दास्य - द्वैविध्य - वेदित्रे नमः
876	ओं भगवद्दास - दास्य - प्राप्ता - नन्यत्व - विरोधघ्ने नमः
877	ओं श्रीमद् - भागवतान्योन्य - दास्य - साधन - तत्पराय नमः
878	ओं प्रपन्नान्वह - सङ्ग्राह्य - शास्त्रीय - नियम - प्रियाय नमः
879	ओं भाष्यकारोक्त - शास्त्रानुमत - कैङ्कर्य - सार - विदे नमः

880	ओं उल्लङ्घिताज्ञा-करणा-वैष्णवत्व-प्रसाधकाय नमः
881	ओं प्रपन्नाज्ञाति-क्रमादि-प्रायश्चित्त-विशेष-विदे नमः
882	ओं एनो-निष्कृत्यु-दासीन-प्रपन्न-लघुदण्ड-दृशे नमः
883	ओं आज्ञातिलङ्घि-कठिन-प्रपन्न-नरका-प्रियाय नमः
884	ओं प्रपन्न-बुद्धि-पूर्वैनः प्रायश्चित्त-विशेष-विदे नमः
885	ओं महापात-प्रपन्न-प्रसिद्ध-निष्कृति-वेदित्रे नमः
886	ओं कठिना-नियतायुः प्रपन्नायुर्वृद्धि-साधकाय नमः
887	ओं मोक्षार्थ-न्यास-संहार्य-धी-पूर्वोत्तर-पापघ्ने नमः
888	ओं कृत-पातक-नाशार्थ-शरणागति-वेदित्रे नमः
889	ओं प्रपन्नान्वह-वासार्ह-स्थान-व्याख्यान-कोविदाय नमः
890	ओं विकलाङ्ग-न्यास-विद्या-पूर्ण-हेतुत्व-साधकाय नमः
891	ओं देवान्तर-दृढासक्त-प्रपन्न-नरकोक्ति-मते नमः
892	ओं विद्वदेकान्तोत्क्रमण-क्रम-दर्शन-तोषिताय नमः
893	ओं उपायारम्भ-नष्टाश्लिष्ट-पूर्वोत्तर-पाप-दृशे नमः
894	ओं इष्टावधूतान्य-फल-धीवैमुख्य-प्रपन्न-विदे नमः
895	ओं विनष्टाश्लिष्ट-पुण्याघ-सुहृद्-द्विड्द्वङ्कमोक्ति-विदे नमः
896	ओं विनष्टाश्लिष्ट-पुण्याघ-विधूनन-पदार्थ-विदे नमः
897	ओं बुध-पुण्याघ-मित्रारि-सङ्क्रान्ति-व्याज-बोधकाय नमः

898	ओं अर्चिरादि-गति-ज्ञात्रे नमः
899	ओं सूक्ष्म-देह-विसर्ग-विदे नमः
900	ओं दिव्य-देश-प्राप्ति-पूर्व-क्रम-दर्शन-दक्षिणाय नमः
901	ओं मुक्त-प्रपन्न-सानन्द-विभु-ज्ञान-धुरन्धराय नमः
902	ओं मधु-विद्याद्यधिकारि-गत्यन्तर-विशेष-विदे नमः
903	ओं मुक्त्यवस्थाऽऽनन्द-तारतम्य-वाद-विनाशकाय नमः
904	ओं जगत्स्रष्ट्र-परब्रह्म-तुल्यानन्द-विमुक्ति-दृशे नमः
905	ओं परिपूर्ण-परब्रह्मानुभव-श्रुति-वेदित्रे नमः
906	ओं सुनिश्चितार्थ-परम-ब्रह्मानुभव-रीतिकाय नमः
907	ओं संसार-प्रतिकूलार्थ-मुक्त्यवस्थानु-कूल्य-दृशे नमः
908	ओं श्रीपतित्व-परब्रह्म-तुल्यानन्द-विमुक्ति-दृशे नमः
909	ओं सदाचार्योप-देशैकाधिकारि-ज्ञापन-क्षमाय नमः
910	ओं ससत्तर्कोपदेशा-धिकारि-व्याकृति-कोविदाय नमः
911	ओं व्याजानपेक्ष-भगवद्रक्षकत्वोक्ति-वारकाय नमः
912	ओं श्रीमत्स्वातन्त्र्य-कारुण्योपयोग-व्याकृति-क्षमाय नमः
913	ओं प्रपत्त्यधिक्रिया-वद्विशेषणत्व-निरोधकाय नमः
914	ओं मोक्षानुपाय-शरणव्रज्या-वाद-विनाशकाय नमः
915	ओं प्रतिबन्ध-निरासैकोप-युक्त-व्याज-वेदित्रे नमः

916	ओं देव - स्वातन्त्र्य - करुणा - मूल - व्याज - निरासघ्ने नमः
917	ओं श्रीमत्सम्बन्ध - मूल - व्याज - निरास - मतान्तकाय नमः
918	ओं अव्याज - भगवत्पात्र - भाव - मानोपपत्तिघ्ने नमः
919	ओं द्वयपूर्व - श्रीपदोप - लक्षकत्व - विनाशकाय नमः
920	ओं श्रीविशेषण - भावोत्थो - पाय - द्वित्व - विभञ्जकाय नमः
921	ओं निर्व्यूढ - शरणव्रज्या - विश्वासाभेद - पूर्व - वाचे नमः
922	ओं प्रपत्ति - प्रार्थना - भेद - वाङ्निर्वाह - विचक्षणाय नमः
923	ओं वाक्य - जन्य - ज्ञान - मोक्षोपायत्व - मत - भञ्जकाय नमः
924	ओं स्वरक्षणार्थ - व्यापार - निवृत्त्युद्धूति - धूर्वहाय नमः
925	ओं प्रपत्ति - मोक्षोपायत्व - बाधक - व्रात - नाशकाय नमः
926	ओं चरमश्लोक - निखिल - धर्म - त्याग - परत्वघ्ने नमः
927	ओं निषिद्ध - वर्जनाधर्म - भावत्वोक्त्यप - नोदनाय नमः
928	ओं उपासन - स्वरूपो - पाय - स्वरूप - विरोधघ्ने नमः
929	ओं वर्णाश्रमादि - धर्म - स्वरूप - रोध - विनाशकाय नमः
930	ओं ऐकान्त - च्छेद्यन्यदेव - पर - वर्णादि - धर्मघ्ने नमः
931	ओं भक्ति - विद्या - सिद्ध - हेतु - प्ररोचन - करत्वघ्ने नमः
932	ओं भक्ति - विद्या - शिष्ट - लोका - परिग्रह - निवारकाय नमः
933	ओं भरन्यासादि - सकल - काल - धर्मत्व - भञ्जनाय नमः

934	ओं न्यास - प्रशंसकाय नमः
935	ओं न्यास - भक्त्याधिक्य - प्रदर्शकाय नमः
936	ओं अनुकूलत्व - सङ्कल्पाद्य - वश्यम्भाव - वेदित्रे नमः
937	ओं विश्वासाङ्ग - महत्त्वान्तराय - भङ्ग - विचक्षणाय नमः
938	ओं प्रपन्न - भगवत्प्रेम - तारतम्य - विधायकाय नमः
939	ओं गुरु - भक्ति - लघुन्यास - फलैक्योक्ति - विचक्षणाय नमः
940	ओं पूर्व - पूर्वाकृतांशार्थ - पुनःप्रपदनोक्ति - मते नमः
941	ओं ऐहिकार्थ - न्यास - कर्तृ - हेतु - वैकल्य - साधकाय नमः
942	ओं अभियानादि - पञ्चावसर - कृत्य - फलोक्ति - मते नमः
943	ओं विष्णु - भक्त - चतुर्थादि - ब्राह्मण्य - विनिवारकाय नमः
944	ओं विदुरादि - स्वजात्युक्त - धर्मालङ्घन - दृष्टि - मते नमः
945	ओं निर्व्यूढ - विदुर - ब्रह्ममेध - संस्कृति - सूक्तिकाय नमः
946	ओं यद्वीश - विदुरान्नादनोक्ति - निर्वाह - दक्षिणाय नमः
947	ओं अतिदेशानर्ह - कारिसूनु - वृत्त - प्रकाशकाय नमः
948	ओं भगवद्भक्त - शूद्रादि - धी - दानादि - कृति - प्रियाय नमः
949	ओं चैत्त - कायिक - शूद्रत्व - भेद - व्याख्यान - दक्षिणाय नमः
950	ओं नारायणैक - निष्ठेति - वचनार्थ - प्रदर्शकाय नमः
951	ओं निषिद्ध - त्याग - धर्माख्या - मुख्यार्थत्व - विभञ्जकाय नमः

952	ओं श्रीमत्प्रभाव - सन्त्रात्रे नमः
953	ओं उपाय - माहात्म्य - रक्षकाय नमः
954	ओं भगवत्क्षेत्र - माहात्म्य - दृशे नमः
955	ओं वैष्णव - महत्त्व - विदे नमः
956	ओं सौङ्कार - मूल - मन्त्राष्टाक्षरत्व - त्राण - दीक्षिताय नमः
957	ओं द्वय - मूल - मनु - व्याख्या - रूपत्व - परिशोधकाय नमः
958	ओं मूल - मन्त्राष्टाक्षर - पद - तत्त्वार्थ - विशेष - विदे नमः
959	ओं मूल - मन्त्र - महा - वाक्य - योजना - दशकादराय नमः
960	ओं द्वय - प्रभाव - विज्ञात्रे नमः
961	ओं द्वय - शब्द - निरुक्ति - विदे नमः
962	ओं द्वय - त्रयी - मूल - तान्त्र - मन्त्रत्व - स्थापन - क्षमाय नमः
963	ओं लक्ष्मी - पुरुषकारत्व - मान - ज्ञाय नमः
964	ओं श्री - पदार्थ - विदे नमः
965	ओं द्वय - मन्त्र - पद - व्रात - प्रत्येक - व्याकृति - प्रियाय नमः
966	ओं श्रीशोपायान्तर - स्थानापत्ति - सारार्थ - शोधकाय नमः
967	ओं कार्पण्य - गोप्तृ - वरण - सार्थोपायत्व - याचनाय नमः
968	ओं उपाय - वरणाद्यात्म - निक्षेपाङ्गित्व - साधकाय नमः
969	ओं द्वयोत्तरार्ध - गम्यार्थ - पुरुषार्थ - निरूपकाय नमः

970	ओं द्वय - मन्त्र - महा - वाक्य - योजना - त्रय - साधकाय नमः
971	ओं श्रीकृष्ण - चरमश्लोकावतार - व्याकृति - क्षमाय नमः
972	ओं चरमश्लोक - धर्मोक्ति - वेद्य - निर्णय - कोविदाय नमः
973	ओं पुरुषोत्तम - धी - मोक्ष - हेतुत्व - मत - भञ्जकाय नमः
974	ओं अवतार - रहस्य - ज्ञानादि - मोक्ष - करत्वघ्ने नमः
975	ओं चरमश्लोक - धर्म - त्यागानुवाद - मत - प्रियाय नमः
976	ओं प्रपत्ति - सर्व - धर्म - त्यागाङ्गोक्ति - विधि - भञ्जकाय नमः
977	ओं क्षेत्रज्ञोपासनोपाय - नित्याशक्तत्व - भञ्जकाय नमः
978	ओं एक - वाक्य - विधित्वानु - वादत्वानु - पपत्ति - विदे नमः
979	ओं गुरूपाय - लघूपायगीः प्ररोचकता - प्रियाय नमः
980	ओं भक्ति - विद्या - मन्दधीकाधि - कारित्व - मतान्तकाय नमः
981	ओं उपासना - मन्द - विश्वासा - धिकारित्व - नाशकाय नमः
982	ओं उपासना - लोक - सङ्ग्रहार्थित्व - मत - मारकाय नमः
983	ओं प्रपत्ति - रूप - सकल - धर्म - त्याग - मतान्तकाय नमः
984	ओं प्रपत्त्यनुष्ठान - काल - सर्व - धर्म - विमुक्तिघ्ने नमः
985	ओं प्रदक्षिण - प्रणामा - द्यनुज्ञा - कैङ्कर्य - हेतु - दृशे नमः
986	ओं अवज्ञा - कृत - भक्तादि - जन्म - चिन्तादि - दोष - दृशे नमः
987	ओं शास्त्र - व्यवस्था - सिद्ध्यर्थ - भक्त - जन्मादि - चिन्तकाय नमः

988	ओं सार - कल्क - स्वरूप - श्रीमत्कैङ्कर्य - विभाग - दृशे नमः
989	ओं सम्बन्ध - धी - मुखानेक - मोक्ष - हेतु - मतान्तकाय नमः
990	ओं चरमश्लोक - निखिल - धर्म - त्याग - षडर्थ - विदे नमः
991	ओं चरमश्लोकैक - शब्द - षडर्थोक्ति - विचक्षणाय नमः
992	ओं परतन्त्र - स्वभावात्म - विध्यनर्हत्व - भञ्जकाय नमः
993	ओं परतन्त्रात्म - कर्तृत्व - स्वरूप - विशदोक्ति - मते नमः
994	ओं श्रीमत्कर्तृ - प्रेरकानुमन्तृ - कारयितृत्व - विदे नमः
995	ओं क्रियमाणाघ - विध्वंसि - प्रपत्ति - प्रतिपादकाय नमः
996	ओं ब्रह्म - विद्यारम्भ - नष्टाश्लिष्ट - कर्म - स्वरूप - विदे नमः
997	ओं प्रियाप्रियोप - सङ्क्रान्त - विद्वत्पुण्याघ - वेदित्रे नमः
998	ओं प्राप्त्यन्तराय - विदे नमः
999	ओं साध्योपाय - रोधि - विशेष - विदे नमः
1000	ओं प्रतिकूलानु - भूत्यादि - हेतु - पाप - स्वरूप - विदे नमः
1001	ओं गुणाष्टका - विर्भावोक्ति - वेद्यार्थ - परिशोधकाय नमः
1002	ओं कैवल्याख्य - पुमर्थ - स्वरूप - नित्यत्व - बाधकाय नमः
1003	ओं माशुचः - शब्द - निर्णुन्न - शोकानेक - विधत्व - विदे नमः
1004	ओं आचार्य - कृत्य - विदे नमः
1005	ओं शिष्य - कृत्य - वेदन - दीक्षिताय नमः

1006	ओं यतीन्द्र-माहानसिक-सम्प्रदाय-सुधा-प्रदाय नमः
1007	ओं विरोध-परिहार-श्रीसारसा-राक्षि-युग्मदाय नमः
1008	ओं सौम्य-कार्तिक-राकाश्री-पर्यङ्कारोहण-प्रियाय नमः

॥ इति श्री देशिक दिव्य सहस्रनामावळिः समाप्ता ॥